قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

قَدْ سَمِعَ اللّٰهُ

पारा - 28

eParah

رُكُوْعَاتُهَا: 3 | 105 سُوْرَةُ الْمُجَادَلَةِ مَدَنِيَّةٌ 58 | اٰيَاتُهَا: 22

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

فِيْ زَوْجِهَا	تُجَادِلُكَ	الَّتِيْ	قَوْلَ	اللّٰهُ	سَمِعَ	قَدْ
अपने शौहर के बारे में	झगड़ रही थी आपसे	उस औरत की जो	बात	अल्लाह ने	सुन ली	तहक़ीक़

اللّٰهَ	اِنَّ	تَحَاوُرَكُمَا ط	يَسْمَعُ	وَاللّٰهُ	اِلَى اللّٰهِ ق صلے	وَتَشْتَكِيْٓ
अल्लाह	बेशक	गुफ़्तगू तुम दोनों की	वो सुन रहा था	और अल्लाह	अल्लाह से	और वो शिकायत कर रही थी

مِّنْ نِّسَآئِهِمْ	مِنْكُمْ	يُظٰهِرُوْنَ	اَلَّذِيْنَ	بَصِيْرٌ ①	سَمِيْعٌ
अपनी बीवियों से	तुम में से	ज़िहार करते हैं	वो लोग जो	ख़ूब देखने वाला है	ख़ूब सुनने वाला है

وَلَدْنَهُمْ ط	الّٰٓـِٔيْ	اِلَّا	اُمَّهٰتُهُمْ	اِنْ	اُمَّهٰتِهِمْ ط	هُنَّ	مَّا
जन्म दिया उन्हें	वो जिन्होंने	मगर	मांऐं उनकी	नहीं	मांऐं उनकी	वो	नहीं हैं

اللّٰهَ	وَاِنَّ	وَزُوْرًا ط	مِّنَ الْقَوْلِ	مُنْكَرًا	لَيَقُوْلُوْنَ	وَاِنَّهُمْ
अल्लाह	और बेशक	और झूठ	बात	नामाक़ूल/नापसंदीदा	अलबत्ता वो कहते हैं	और बेशक वो

ثُمَّ	مِّنْ نِّسَآئِهِمْ	يُظٰهِرُوْنَ	وَالَّذِيْنَ	غَفُوْرٌ ②	لَعَفُوٌّ
फिर	अपनी बीवियों से	ज़िहार करते हैं	और वो लोग जो	बहुत बख़्शने वाला है	अलबत्ता बहुत माफ़ करने वाला है

اَنْ	مِّنْ قَبْلِ	رَقَبَةٍ	فَتَحْرِيْرُ	قَالُوْا	لِمَا	يَعُوْدُوْنَ
कि	इससे क़ब्ल	एक गर्दन का	पस आज़ाद करना है	उन्होंने कहा	उससे जो	वो रुजूअ कर लेते हैं

تَعْمَلُوْنَ	بِمَا	وَاللّٰهُ	بِهٖ ط	تُوْعَظُوْنَ	ذٰلِكُمْ	يَّتَمَآسَّا ط
तुम अमल करते हो	उससे जो	और अल्लाह	जिस की	तुम नसीहत किए जाते हो	ये है	वो दोनों एक दूसरे को छुऐं

مُتَتَابِعَيْنِ	شَهْرَيْنِ	فَصِيَامُ	يَجِدْ	لَّمْ	فَمَنْ	خَبِيْرٌ ③
मुसलसल	दो माह के	तो रोज़े रखना है	पाए (ग़ुलाम)	ना	तो जो कोई	ख़ूब बाख़बर है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِنْ قَبْلِ	اَنْ	يَّتَمَآسَّا ۚ	فَمَنْ	لَّمْ	يَسْتَطِعْ	فَاِطْعَامُ
इससे क़ब्ल	कि	वो दोनों एक दूसरे को छुएं	तो जो कोई	ना	इस्तिताअत रखता हो	तो खाना खिलाना है

سِتِّيْنَ	مِسْكِيْنًا ۭ	ذٰلِكَ	لِتُؤْمِنُوْا	بِاللّٰهِ	وَرَسُوْلِهٖ ۭ	وَتِلْكَ
साठ	मिस्कीनों का	ये (इस लिए है)	ताकि तुम ईमान लाओ	अल्लाह पर	और उसके रसूल पर	और ये

حُدُوْدُ	اللّٰهِ ۭ	وَلِلْكٰفِرِيْنَ	عَذَابٌ	اَلِيْمٌ ④	اِنَّ	الَّذِيْنَ
हुदूद हैं	अल्लाह की	और काफ़िरों के लिए	अज़ाब है	दर्दनाक	बेशक	वो लोग जो

يُحَاۗدُّوْنَ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗ	كُبِتُوْا	كَمَا	كُبِتَ	الَّذِيْنَ
मुख़ालिफ़त करते हैं	अल्लाह की	और उसके रसूल की	वो ज़लील किए जाएंगे	जैसा कि	ज़लील किए गए थे	वो लोग जो

مِنْ قَبْلِهِمْ	وَقَدْ	اَنْزَلْنَآ	اٰيٰتٍۢ	بَيِّنٰتٍ ۭ	وَلِلْكٰفِرِيْنَ	عَذَابٌ
उनसे पहले थे	और तहक़ीक़	नाज़िल कीं हमने	आयात	वाज़ेह	और काफ़िरों के लिए है	अज़ाब

مُّهِيْنٌ ⑤ ۚ	يَوْمَ	يَبْعَثُهُمُ	اللّٰهُ	جَمِيْعًا	فَيُنَبِّئُهُمْ	بِمَا
रुस्वा करने वाला	जिस दिन	उठाएगा उन्हें	अल्लाह	सब के सबको	फिर वो बताएगा उन्हें	वो जो

عَمِلُوْا ۭ	اَحْصٰىهُ	اللّٰهُ	وَنَسُوْهُ ۭ	وَاللّٰهُ	عَلٰي	كُلِّ	شَيْءٍ
उन्होंने अमल किए	गिन रखा है उसे	अल्लाह ने	जब कि वो भूल चुके हैं उसे	और अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के

ع 1 6 1

شَهِيْدٌ ⑥ ۧ	اَلَمْ	تَرَ	اَنَّ	اللّٰهَ	يَعْلَمُ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ
गवाह है	क्या नहीं	आपने देखा	बेशक	अल्लाह	वो जानता है	जो कुछ	आसमानों में है

وَمَا	فِي الْاَرْضِ ۭ	مَا	يَكُوْنُ	مِنْ نَّجْوٰى	ثَلٰثَةٍ	اِلَّا	هُوَ
और जो कुछ	ज़मीन में है	नहीं	होती	कोई सरगोशी	तीन (लोगों) की	मगर	वो

رَابِعُهُمْ	وَلَا	خَمْسَةٍ	اِلَّا	هُوَ	سَادِسُهُمْ	وَلَآ	اَدْنٰى
चौथा है उनका	और ना	पांच (लोगों) की	मगर	वो	छठा है उनका	और ना	कम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مِنْ ذٰلِكَ	وَلَآ	اَكْثَرَ	اِلَّا	هُوَ	مَعَهُمْ	اَيْنَ مَا	كَانُوْا ۚ
उससे	और ना	ज़्यादा	मगर	वो	साथ है उनके	जहां कहीं	वो हों

ثُمَّ	يُنَبِّئُهُمْ	بِمَا	عَمِلُوْا	يَوْمَ	الْقِيٰمَةِ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	بِكُلِّ
फिर	वो बताएगा उन्हें	जो	उन्होंने अमल किए	दिन	क़यामत के	बेशक	अल्लाह	हर

شَيْءٍ	عَلِيْمٌ ⑦	اَلَمْ	تَرَ	اِلَى	الَّذِيْنَ	نُهُوْا	عَنِ النَّجْوٰى
चीज़ को	ख़ूब जानने वाला है	क्या नहीं	आपने देखा	तरफ़	उन लोगों के जो	रोके गए	सरगोशी से

ثُمَّ	يَعُوْدُوْنَ	لِمَا	نُهُوْا	عَنْهُ	وَيَتَنٰجَوْنَ	بِالْاِثْمِ
फिर	वो लौटते हैं	तरफ़ उसके जो	वो रोके गए थे	जिससे	और वो बाहम सरगोशियां करते हैं	गुनाह की

وَالْعُدْوَانِ	وَمَعْصِيَتِ الرَّسُوْلِ ۫	وَاِذَا	جَآءُوْكَ	حَيَّوْكَ
और ज़्यादती की	और रसूल की नाफ़रमानी की	और जब	वो आते हैं आपके पास	वो सलाम करते हैं आपको

بِمَا	لَمْ	يُحَيِّكَ	بِهِ	اللّٰهُ ۙ	وَيَقُوْلُوْنَ	فِيْٓ اَنْفُسِهِمْ
साथ उसके जो	नहीं	सलाम कहा आपको	साथ उसके	अल्लाह ने	और वो कहते हैं	अपने नफ़्सों में

لَوْلَا	يُعَذِّبُنَا	اللّٰهُ	بِمَا	نَقُوْلُ ؕ	حَسْبُهُمْ	جَهَنَّمُ ۚ
क्यों नहीं	अज़ाब देता हमें	अल्लाह	बवजह उसके जो	हम कहते हैं	काफ़ी है उन्हें	जहन्नम

يَصْلَوْنَهَا ۚ	فَبِئْسَ	الْمَصِيْرُ ⑧	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْٓا	اِذَا
वो जलेंगे उसमें	पस कितनी बुरी है	लौटने की जगह	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	जब

تَنَاجَيْتُمْ	فَلَا	تَتَنَاجَوْا	بِالْاِثْمِ	وَالْعُدْوَانِ	وَمَعْصِيَتِ الرَّسُوْلِ
तुम बाहम सरगोशियां करो	पस ना	तुम सरगोशियां करो	गुनाह की	और ज़्यादती की	और रसूल की नाफ़रमानी की

وَتَنَاجَوْا	بِالْبِرِّ	وَالتَّقْوٰى ؕ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	الَّذِيْٓ	اِلَيْهِ
बल्कि सरगोशी करो	नेकी की	और तक़वा की	और डरो	अल्लाह से	वो जो	तरफ़ उसी के

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الَّذِيْنَ	لِيَحْزُنَ	مِنَ الشَّيْطٰنِ	النَّجْوٰى	اِنَّمَا	تُحْشَرُوْنَ (9)
उनको जो	ताकि वो ग़मगीन करे	शैतान की तरफ़ से है	सरगोशी	बेशक	तुम इकट्ठे किए जाओगे

وَعَلَى اللّٰهِ	بِاِذْنِ اللّٰهِ ؕ	اِلَّا	شَيْـًٔا	بِضَآرِّهِمْ	وَلَيْسَ	اٰمَنُوْا
और अल्लाह ही पर	अल्लाह के इज़्न से	मगर	कुछ भी	नुक़्सान देने वाला उन्हें	हालांकि नहीं वो	ईमान लाए

قِيْلَ	اِذَا	اٰمَنُوْٓا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	الْمُؤْمِنُوْنَ (10)	فَلْيَتَوَكَّلِ
कहा जाए	जब	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	मोमिन	पस चाहिए कि तवक्कुल करें

لَكُمْ ۚ	اللّٰهُ	يَفْسَحِ	فَافْسَحُوْا	فِى الْمَجٰلِسِ	تَفَسَّحُوْا	لَكُمْ
तुम्हारे लिए	अल्लाह	कुशादगी कर देगा	तो कुशादगी किया करो	मजलिसों में	कुशादगी करो	तुमसे

اٰمَنُوْا	الَّذِيْنَ	اللّٰهُ	يَرْفَعِ	فَانْشُزُوْا	انْشُزُوْا	قِيْلَ	وَاِذَا
ईमान लाए	उन लोगों को जो	अल्लाह	बुलंद करता है	तो उठ जाया करो	उठ जाओ	कहा जाए	और जब

بِمَا	وَاللّٰهُ	دَرَجٰتٍ ؕ	الْعِلْمَ	اُوْتُوا	وَالَّذِيْنَ	مِنْكُمْ ۙ
उससे जो	और अल्लाह	दरजात में	इल्म	दिए गए	और वो जो	तुम में से

الرَّسُوْلَ	نَاجَيْتُمُ	اِذَا	اٰمَنُوْٓا	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	خَبِيْرٌ (11)	تَعْمَلُوْنَ
रसूल से	सरगोशी करो तुम	जब	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	ख़ूब बाख़बर है	तुम अमल करते हो

لَّكُمْ	خَيْرٌ	ذٰلِكَ	صَدَقَةً ؕ	نَجْوٰىكُمْ	بَيْنَ يَدَىْ	فَقَدِّمُوْا
तुम्हारे लिए	बेहतर है	ये	सदक़ा	अपनी सरगोशी के	पहले	तो पेश करो

رَّحِيْمٌ (12)	غَفُوْرٌ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	تَجِدُوْا	لَّمْ	فَاِنْ	وَاَطْهَرُ ؕ
निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	तो बेशक	तुम पाओ	ना	फिर अगर	और ज़्यादा पाकीज़ा

صَدَقٰتٍ ؕ	نَجْوٰىكُمْ	بَيْنَ يَدَىْ	تُقَدِّمُوْا	اَنْ	ءَاَشْفَقْتُمْ
सदक़ात	अपनी सरगोशी से	पहले	तुम पेश करो	कि	क्या डर गए तुम

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الصَّلٰوةَ	فَاَقِيْمُوا	عَلَيْكُمْ	اللّٰهُ	وَتَابَ	تَفْعَلُوْا	لَمْ	فَاِذْ
नमाज़	तो क़ायम करो	तुम पर	अल्लाह	और मेहरबान हुआ	तुमने किया	ना	फिर जब

بِمَا	خَبِيْرٌ	وَاللّٰهُ	وَرَسُوْلَهٗ ؕ	اللّٰهَ	وَاَطِيْعُوا	الزَّكٰوةَ	وَاٰتُوا
उससे जो	ख़ूब बाख़बर है	और अल्लाह	और उसके रसूल की	अल्लाह	और इताअत करो	ज़कात	और अदा करो

ع 2 7 2

غَضِبَ	قَوْمًا	تَوَلَّوْا	الَّذِيْنَ	اِلَى	تَرَ	اَلَمْ	تَعْمَلُوْنَ ﴿13﴾ ع
ग़ज़बनाक हुआ	एक क़ौम को	दोस्त बनाया	उन लोगों के जिन्होंने	तरफ़	आपने देखा	क्या नहीं	तुम अमल करते हो

وَيَحْلِفُوْنَ	مِنْهُمْ ۙ	وَلَا	مِّنْكُمْ	هُمْ	مَا	عَلَيْهِمْ ؕ	اللّٰهُ
और वो क़समें खाते हैं	उनमें से	और ना	तुम में से	वो	नहीं	उन पर	अल्लाह

عَذَابًا	لَهُمْ	اللّٰهُ	اَعَدَّ	يَعْلَمُوْنَ ﴿14﴾	وَهُمْ	عَلَى الْكَذِبِ
अज़ाब	उनके लिए	अल्लाह ने	तैयार कर रखा है	वो जानते हैं	हालांकि वो	झूठ पर

اِتَّخَذُوْا	يَعْمَلُوْنَ ﴿15﴾	كَانُوْا	مَا	سَآءَ	اِنَّهُمْ	شَدِيْدًا ؕ
उन्होंने बना लिया	वो अमल करते	हैं वो	जो	कितना बुरा है	बेशक वो	सख़्त

عَذَابٌ	فَلَهُمْ	عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	فَصَدُّوْا	جُنَّةً	اَيْمَانَهُمْ
अज़ाब है	पस उनके लिए	अल्लाह के रास्ते से	फिर उन्होंने रोका	ढाल	अपनी क़समों को

اَوْلَادُهُمْ	وَلَآ	اَمْوَالُهُمْ	عَنْهُمْ	تُغْنِيَ	لَنْ	مُّهِيْنٌ ﴿16﴾
औलाद उनकी	और ना	माल उनके	उन्हें	काम आएंगे	हरगिज़ ना	रुस्वा करने वाला

خٰلِدُوْنَ ﴿17﴾	فِيْهَا	هُمْ	النَّارِ ؕ	اَصْحٰبُ	اُولٰٓئِكَ	شَيْـًٔا ؕ	مِّنَ اللّٰهِ
हमेशा रहने वाले हैं	उसमें	वो	आग के	साथी	यही लोग हैं	कुछ भी	अल्लाह से

يَحْلِفُوْنَ	كَمَا	لَهٗ	فَيَحْلِفُوْنَ	جَمِيْعًا	اللّٰهُ	يَبْعَثُهُمُ	يَوْمَ
वो क़समें खाते हैं	जैसा कि	उसके सामने	फिर वो क़समें खाएंगे	सब के सब को	अल्लाह	उठाएगा उन्हें	जिस दिन

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَكُمْ	وَيَحْسَبُوْنَ	اَنَّهُمْ	عَلٰى	شَيْءٍ ؕ	اَلَآ	اِنَّهُمْ	هُمُ
तुम्हारे सामने	और वो समझते हैं	बेशक वो	ऊपर	एक चीज़ के हैं	ख़बरदार	बेशक वो	वो ही

الْكٰذِبُوْنَ ⑱	اِسْتَحْوَذَ	عَلَيْهِمُ	الشَّيْطٰنُ	فَاَنْسٰىهُمْ	ذِكْرَ	اللّٰهِ ؕ
झूठे हैं	ग़लबा पा लिया	उन पर	शैतान ने	तो उसने भुला दिया उन्हें	ज़िक्र	अल्लाह का

اُولٰٓئِكَ	حِزْبُ	الشَّيْطٰنِ ؕ	اَلَآ	اِنَّ	حِزْبَ	الشَّيْطٰنِ	هُمُ
यही लोग हैं	गिरोह	शैतान का	ख़बरदार	बेशक	गिरोह	शैतान का	वही हैं

الْخٰسِرُوْنَ ⑲	اِنَّ	الَّذِيْنَ	يُحَآدُّوْنَ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗٓ	اُولٰٓئِكَ
जो ख़सारा पाने वाले हैं	बेशक	वो लोग जो	मुख़ालिफ़त करते हैं	अल्लाह की	और उसके रसूल की	यही लोग हैं

فِي الْاَذَلِّيْنَ ⑳	كَتَبَ	اللّٰهُ	لَاَغْلِبَنَّ	اَنَا	وَرُسُلِيْ ؕ	اِنَّ
ज़लील तरीन (मख़लूक़) में	लिख दिया	अल्लाह ने	अलबत्ता मैं ज़रूर ग़ालिब रहूंगा	मैं	और मेरे रसूल	बेशक

اللّٰهَ	قَوِيٌّ	عَزِيْزٌ ㉑	لَا تَجِدُ	قَوْمًا	يُّؤْمِنُوْنَ	بِاللّٰهِ
अल्लाह	बहुत क़ुव्वत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	ना आप पाएंगे	उन लोगों को	जो ईमान रखते हों	अल्लाह पर

وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ	يُوَآدُّوْنَ	مَنْ	حَآدَّ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗ	وَلَوْ
और आख़िरी दिन पर	कि वो दोस्ती रखते हों	उनसे जिन्होंने	मुख़ालिफ़त की	अल्लाह की	और उसके रसूल की	और अगरचे

كَانُوْٓا	اٰبَآءَهُمْ	اَوْ	اَبْنَآءَهُمْ	اَوْ	اِخْوَانَهُمْ	اَوْ	عَشِيْرَتَهُمْ ؕ
हों वो	बाप उनके	या	बेटे उनके	या	भाई उनके	या	क़बीला उनका

اُولٰٓئِكَ	كَتَبَ	فِيْ قُلُوْبِهِمُ	الْاِيْمَانَ	وَاَيَّدَهُمْ	بِرُوْحٍ
यही लोग हैं	उसने लिख दिया	उनके दिलों में	ईमान	और उसने ताईद की उनकी	साथ रूह के

مِّنْهُ ؕ	وَيُدْخِلُهُمْ	جَنّٰتٍ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ	خٰلِدِيْنَ
अपनी तरफ़ से	और वो दाख़िल करेगा उन्हें	बाग़ात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	हमेशा रहने वाले हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فِيْهَا ط	رَضِيَ	اللّٰهُ	عَنْهُمْ	وَرَضُوْا	عَنْهُ ط	اُولٰٓئِكَ	حِزْبُ
उनमें	राज़ी हो गया	अल्लाह	उनसे	और वो राज़ी हो गए	उससे	यही लोग हैं	गिरोह

ع 3 9 3

اللّٰهِ ط	اَلَآ	اِنَّ	حِزْبَ	اللّٰهِ	هُمُ	الْمُفْلِحُوْنَ (22) ع
अल्लाह का	ख़बरदार	बेशक	गिरोह	अल्लाह का	वो ही हैं	जो फ़लाह पाने वाले हैं

اٰيَاتُهَا: 24 — 59 سُوْرَةُ الْحَشْرِ مَدَنِيَّةٌ 101 — رُكُوْعَاتُهَا: 3

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

سَبَّحَ	لِلّٰهِ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِي الْاَرْضِ ج	وَهُوَ
तस्बीह की है	अल्लाह के लिए	उस चीज़ ने जो	आसमानों में है	और जो	ज़मीन में है	और वो ही है

الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ (1)	هُوَ	الَّذِيْٓ	اَخْرَجَ	الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا
बहुत ज़बरदस्त	ख़ूब हिकमत वाला	वो ही है	जिसने	निकाल दिया	उन लोगों को जिन्होंने	कुफ़्र किया

وقف النبي عليه السلام

مِنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ	مِنْ دِيَارِهِمْ	لِاَوَّلِ الْحَشْرِ ط	مَا	ظَنَنْتُمْ	اَنْ
अहले किताब में से	उनके घरों से	पहले हशर/इकट्ठ में	नहीं	गुमान किया तुमने	कि

يَّخْرُجُوْا	وَظَنُّوْٓا	اَنَّهُمْ	مَّانِعَتُهُمْ	حُصُوْنُهُمْ	مِّنَ اللّٰهِ
वो निकल जाएंगे	और वो समझ रहे थे	कि बेशक वो	बचाने वाले है उन्हें	क़िले उनके	अल्लाह से

فَاَتٰىهُمُ	اللّٰهُ	مِنْ حَيْثُ	لَمْ	يَحْتَسِبُوْا ق	وَقَذَفَ	فِيْ قُلُوْبِهِمُ
पस आया उनके पास	अल्लाह	जहां से	नहीं	उन्होंने गुमान किया	और उसने डाल दिया	उनके दिलों में

الرُّعْبَ	يُخْرِبُوْنَ	بُيُوْتَهُمْ	بِاَيْدِيْهِمْ	وَاَيْدِي	الْمُؤْمِنِيْنَ ق
रौब	वो बर्बाद कर रहे थे	अपने घरों को	अपने हाथों से	और हाथों से	मोमिनों के

فَاعْتَبِرُوْا	يٰٓاُولِي الْاَبْصَارِ (2)	وَلَوْلَآ	اَنْ	كَتَبَ	اللّٰهُ	عَلَيْهِمُ
पस इबरत पकड़ो	ऐ आंखों वालो	और अगर ना होती	ये बात कि	लिख दी	अल्लाह ने	उन पर

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَذَابٌ	فِى الْاٰخِرَةِ	وَلَهُمْ	فِى الدُّنْيَا ؕ	لَعَذَّبَهُمْ	الْجَلَآءَ
अज़ाब है	आख़िरत में	और उनके लिए	दुनिया में	अलबत्ता वो अज़ाब देता उन्हें	जिला वतनी

وَمَنْ	وَرَسُوْلَهٗ ۚ	اللّٰهَ	شَآقُّوا	بِاَنَّهُمْ	ذٰلِكَ	النَّارِ ③
और जो	और उसके रसूल की	अल्लाह की	उन्होंने मुख़ालिफ़त की	बवजह उसके कि वो	ये	आग का

قَطَعْتُمْ	مَا	الْعِقَابِ ④	شَدِيْدُ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	يُّشَآقِّ
काटा तुमने	जो भी	सज़ा वाला है	सख़्त	अल्लाह	तो बेशक	अल्लाह की	मुख़ालिफ़त करेगा

فَبِاِذْنِ اللّٰهِ	عَلٰٓى اُصُوْلِهَا	قَآئِمَةً	تَرَكْتُمُوْهَا	اَوْ	مِّنْ لِّيْنَةٍ
तो अल्लाह के इज़्न से था	उसकी जड़ों पर	खड़ा	तुमने उसे छोड़ दिया	या	खजूर का दरख़्त

مِنْهُمْ	عَلٰى رَسُوْلِهٖ	اللّٰهُ	اَفَآءَ	وَمَآ	الْفٰسِقِيْنَ ⑤	وَلِيُخْزِىَ
उनमें से	अपने रसूल पर	अल्लाह ने	लौटाया	और जो	फ़ासिक़ों को	और ताकि वो रुस्वा करे

اللّٰهَ	وَّلٰكِنَّ	رِكَابٍ	وَّلَا	مِنْ خَيْلٍ	عَلَيْهِ	اَوْجَفْتُمْ	فَمَآ
अल्लाह	और लेकिन	ऊंट	और ना	कोई घोड़े	उस पर	दौड़ाए तुमने	पस नहीं

شَىْءٍ	كُلِّ	عَلٰى	وَاللّٰهُ	يَّشَآءُ ؕ	مَنْ	عَلٰى	رُسُلَهٗ	يُسَلِّطُ
चीज़ के	हर	ऊपर	और अल्लाह	वो चाहता है	जिसके	ऊपर	अपने रसूलों को	वो मुसल्लत करता है

فَلِلّٰهِ	مِنْ اَهْلِ الْقُرٰى	عَلٰى رَسُوْلِهٖ	اللّٰهُ	اَفَآءَ	مَآ	قَدِيْرٌ ⑥
पस अल्लाह के लिए है	बस्ती वालों में से	अपने रसूल पर	अल्लाह ने	लौटाया	जो	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है

وَابْنِ السَّبِيْلِ ۙ	وَالْمَسٰكِيْنِ	وَالْيَتٰمٰى	وَلِذِى الْقُرْبٰى	وَلِلرَّسُوْلِ
और मुसाफ़िरों के लिए	और मिस्कीनों	और यतीमों	और क़राबतदारों के लिए	और रसूल के लिए

اٰتٰىكُمُ	وَمَآ	مِنْكُمْ ؕ	الْاَغْنِيَآءِ	بَيْنَ	دُوْلَةًۢ	يَكُوْنَ	كَىْ لَا
दें तुम्हें	और जो	तुम में से	दौलतमंदों के	दर्मियान	गर्दिश करने वाला	हो वो	ताकि ना

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الرَّسُوْلُ	فَخُذُوْهُ ۚ	وَمَا	نَهٰكُمْ	عَنْهُ	فَانْتَهُوْا ۚ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ۭ
रसूल	पस ले लो उसे	और जिस चीज़ से	वो रोकें तुम्हें	उससे	पस रुक जाओ	और डरो	अल्लाह से

اِنَّ	اللّٰهَ	شَدِيْدُ	الْعِقَابِ ⑦	لِلْفُقَرَآءِ	الْمُهٰجِرِيْنَ	الَّذِيْنَ
बेशक	अल्लाह	सख़्त	सज़ा वाला है	(माल फ़ै) फ़ुक़रा के लिए है	जो मुहाजिर हैं	वो लोग जो

وقف لازم

اُخْرِجُوْا	مِنْ دِيَارِهِمْ	وَاَمْوَالِهِمْ	يَبْتَغُوْنَ	فَضْلًا	مِّنَ اللّٰهِ
निकाले गए	अपने घरों से	और अपने मालों से	वो चाहते हैं	फ़ज़्ल	अल्लाह का

وَرِضْوَانًا	وَّيَنْصُرُوْنَ	اللّٰهَ	وَرَسُوْلَهٗ ۭ	اُولٰۗىِٕكَ	هُمُ	الصّٰدِقُوْنَ ⑧ ۚ
और रज़ामंदी	और वो मदद करते हैं	अल्लाह की	और उसके रसूल की	यही लोग हैं	वो	जो सच्चे हैं

وَالَّذِيْنَ	تَبَوَّؤُ الدَّارَ	وَالْاِيْمَانَ	مِنْ قَبْلِهِمْ	يُحِبُّوْنَ
और(अंसार के लिए भी)जिन्होंने	उस घर (मदीना) में जगह बनाई	और ईमान में	उनसे पहले	वो मोहब्बत रखते हैं

مَنْ	هَاجَرَ	اِلَيْهِمْ	وَلَا	يَجِدُوْنَ	فِيْ صُدُوْرِهِمْ	حَاجَةً	مِّمَّآ
उससे जो	हिजरत करे	तरफ़ उनके	और नहीं	वो पाते	अपने सीनों में	कोई हाजत	उस चीज़ की जो

اُوْتُوْا	وَيُؤْثِرُوْنَ	عَلٰٓي اَنْفُسِهِمْ	وَلَوْ	كَانَ	بِهِمْ	خَصَاصَةٌ ۛ
वो दिए गए	और वो तरजीह देते हैं	अपने नफ़्सों पर	और अगरचे	हो	उन्हें	सख़्त हाजत

وَمَنْ	يُّوْقَ	شُحَّ	نَفْسِهٖ	فَاُولٰۗىِٕكَ	هُمُ	الْمُفْلِحُوْنَ ⑨ ۚ
और जो कोई	बचा लिया गया	बुख़्ल से	अपने नफ़्स के	तो यही लोग हैं	वो	जो फ़लाह पाने वाले हैं

وَالَّذِيْنَ	جَاۗءُوْ	مِنْۢ بَعْدِهِمْ	يَقُوْلُوْنَ	رَبَّنَا	اغْفِرْ	لَنَا
और (उनके लिए भी) जो	आए	उनके बाद	वो कहते हैं	ऐ हमारे रब	बख़्श दे	हमें

وَلِاِخْوَانِنَا	الَّذِيْنَ	سَبَقُوْنَا	بِالْاِيْمَانِ	وَلَا	تَجْعَلْ	فِيْ قُلُوْبِنَا
और हमारे भाईयों को	वो जो	सबक़त ले गए हमसे	ईमान में	और ना	तू रख	हमारे दिलों में

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 1 10 4

رَّحِيمٌ ⑩ ع	رَءُوفٌ	إِنَّكَ	رَبَّنَآ	اٰمَنُوا	لِّلَّذِينَ	غِلًّا
निहायत रहम करने वाला है	बहुत शफ़क़त करने वाला है	बेशक तू	ऐ हमारे रब	ईमान लाए	उन लोगों के लिए जो	कीना / कुदूरत

الَّذِينَ	لِإِخْوَانِهِمُ	يَقُولُونَ	نَافَقُوا	إِلَى الَّذِينَ	تَرَ	أَلَمْ
जिन्होंने	अपने उन भाईयों से	वो कहते हैं	मुनाफ़िक़त की	तरफ़ उनके जिन्होंने	आपने देखा	क्या नहीं

وَلَا	مَعَكُمْ	لَنَخْرُجَنَّ	أُخْرِجْتُمْ	لَئِنْ	مِنْ أَهْلِ الْكِتٰبِ	كَفَرُوا
और ना	साथ तुम्हारे	अलबत्ता हम ज़रूर निकलेंगे	निकाले गए तुम	अलबत्ता अगर	अहले किताब में से	कुफ़्र किया

لَنَنْصُرَنَّكُمْ ط	قُوتِلْتُمْ	وَإِنْ	أَبَدًا لا	أَحَدًا	فِيكُمْ	نُطِيعُ
अलबत्ता हम ज़रूर मदद करेंगे तुम्हारी	जंग की गई तुमसे	और अगर	कभी भी	किसी एक की	तुम्हारे मामले में	हम इताअत करेंगे

لَا يَخْرُجُونَ	أُخْرِجُوا	لَئِنْ	لَكٰذِبُونَ ⑪	إِنَّهُمْ	يَشْهَدُ	وَاللّٰهُ
नहीं वो निकलेंगे	वो निकाले गए	अलबत्ता अगर	अलबत्ता झूठे हैं	बेशक वो	वो गवाही देता है	और अल्लाह

نَّصَرُوهُمْ	وَلَئِنْ	لَا يَنْصُرُونَهُمْ ج	قُوتِلُوا	وَلَئِنْ	مَعَهُمْ ج
उन्होंने मदद की भी उनकी	और अलबत्ता अगर	नहीं वो मदद करेंगे उनकी	वो जंग किए गए	और अलबत्ता अगर	साथ उनके

رَهْبَةً	أَشَدُّ	لَأَنْتُمْ	لَا يُنْصَرُونَ ⑫	ثُمَّ	الْأَدْبَارَ قف	لَيُوَلُّنَّ
रौब में	ज़्यादा सख़्त हो	अलबत्ता तुम	ना वो मदद किए जाऐंगे	फिर	पुश्तें	अलबत्ता वो ज़रूर फेर लेंगे

لَّا يَفْقَهُونَ ⑬	قَوْمٌ	بِأَنَّهُمْ	ذٰلِكَ	مِّنَ اللّٰهِ ط	فِي صُدُورِهِمْ
नहीं वो समझते	एक क़ौम हैं	बवजह उसके कि वो	ये	अल्लाह से (बढ़) कर	उनके सीनों में

مِنْ وَّرَآءِ	أَوْ	مُّحَصَّنَةٍ	فِي قُرًى	إِلَّا	جَمِيعًا	لَا يُقٰتِلُونَكُمْ
पीछे से	या	क़िला बंद हो कर	बस्तियों में	मगर	इकट्ठे	नहीं वो जंग करेंगे तुम से

وَّقُلُوبُهُمْ	جَمِيعًا	تَحْسَبُهُمْ	شَدِيدٌ ط	بَيْنَهُمْ	بَأْسُهُمْ	جُدُرٍ ط
जबकि दिल उनके	इकट्ठा	तुम समझते हो उन्हें	शदीद है	आपस में	उनकी जंग	दीवारों के

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

شَتّٰى ط	ذٰلِكَ	بِاَنَّهُمْ	قَوْمٌ	لَّا يَعْقِلُوْنَ ⑭ ج	كَمَثَلِ	الَّذِيْنَ
फटे हुए हैं	ये	बवजह उसके कि वो	एक क़ौम हैं	नहीं वो अक़्ल रखते	मानिंद मिसाल	उनके जो

مِنْ قَبْلِهِمْ	قَرِيْبًا	ذَاقُوْا	وَبَالَ	اَمْرِهِمْ ج	وَلَهُمْ	عَذَابٌ
उनसे पहले थे	क़रीब ही	उन्होंने चखा	वबाल	अपने काम का	और उनके लिए है	अज़ाब

اَلِيْمٌ ⑮ ج	كَمَثَلِ	الشَّيْطٰنِ	اِذْ	قَالَ	لِلْاِنْسَانِ	اكْفُرْ ج	فَلَمَّا
दर्दनाक	जैसे मिसाल	शैतान की	जब	वो कहता है	इन्सान से	कुफ़्र करो	तो जब

كَفَرَ	قَالَ	اِنِّىْ	بَرِىْٓءٌ	مِّنْكَ	اِنِّىْٓ	اَخَافُ	اللّٰهَ	رَبَّ
वो कुफ़्र करता है	वो कहता है	बेशक मैं	बरी उज़ ज़िम्मा हूं	तुझसे	बेशक मैं	मैं डरता हूं	अल्लाह से	जो रब है

الْعٰلَمِيْنَ ⑯	فَكَانَ	عَاقِبَتَهُمَآ	اَنَّهُمَا	فِى النَّارِ	خَالِدَيْنِ	فِيْهَا ط
तमाम जहानों का	पस हुआ	अंजाम उन दोनों का	बेशक वो दोनों	आग में होंगे	दोनों हमेशा रहने वाले	उस में

ع 2 7 5

وَذٰلِكَ	جَزٰٓؤُا	الظّٰلِمِيْنَ ⑰ ع	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوا	اتَّقُوا	اللّٰهَ
और यही है	बदला	ज़ालिमों का	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	डरो	अल्लाह से

وَلْتَنْظُرْ	نَفْسٌ	مَّا	قَدَّمَتْ	لِغَدٍ ج	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ ط	اِنَّ	اللّٰهَ
और ज़रूर देखे	हर नफ़्स	जो	उसने आगे भेजा	कल के लिए	और डरो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह

خَبِيْرٌۢ	بِمَا	تَعْمَلُوْنَ ⑱	وَلَا	تَكُوْنُوْا	كَالَّذِيْنَ	نَسُوا	اللّٰهَ
ख़ूब बाख़बर है	उससे जो	तुम अमल करते हो	और ना	तुम हो जाओ	उनकी तरह जिन्होंने	भुला दिया	अल्लाह को

فَاَنْسٰهُمْ	اَنْفُسَهُمْ ط	اُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْفٰسِقُوْنَ ⑲	لَا يَسْتَوِىْٓ
तो उसने भुलवा दिए उन्हें	उनके नफ़्स	यही लोग हैं	वो	जो फ़ासिक़ हैं	नहीं बराबर हो सकते

اَصْحٰبُ	النَّارِ	وَاَصْحٰبُ	الْجَنَّةِ ط	اَصْحٰبُ	الْجَنَّةِ	هُمُ
साथी	आग के	और साथी	जन्नत के	साथी	जन्नत के	वो ही हैं

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لَّرَاَيْتَهٗ	عَلٰى جَبَلٍ	الْقُرْاٰنَ	هٰذَا	اَنْزَلْنَا	لَوْ	الْفَآئِزُوْنَ ⑳
अलबत्ता देखते आप उसे	किसी पहाड़ पर	क़ुरआन को	इस	नाज़िल करते हम	अगर	जो कामयाब होने वाले हैं

نَضْرِبُهَا	الْاَمْثَالُ	وَتِلْكَ	اللّٰهِؕ	مِّنْ خَشْيَةِ	مُّتَصَدِّعًا	خَاشِعًا
हम बयान करते हैं उन्हें	मिसालें हैं	और ये	अल्लाह के	ख़ौफ़ से	फटने वाला	दबा हुआ

اِلٰهَ	لَآ	الَّذِىْ	اللّٰهُ	هُوَ	يَتَفَكَّرُوْنَ ㉑	لَعَلَّهُمْ	لِلنَّاسِ
कोई इलाह (बरहक़)	नहीं	वो ही है जो	अल्लाह	वो	वो ग़ौरो फ़िक्र करें	ताकि वो	लोगों के लिए

الرَّحِيْمُ ㉒	الرَّحْمٰنُ	هُوَ	وَالشَّهَادَةِۚ	الْغَيْبِ	عٰلِمُ	هُوَۚ	اِلَّا
निहायत रहम करने वाला है	बहुत मेहरबान है	वो	और हाज़िर का	ग़ैब	जानने वाला है	वो ही	मगर

الْقُدُّوْسُ	الْمَلِكُ	هُوَۚ	اِلَّا	اِلٰهَ	لَآ	الَّذِىْ	اللّٰهُ	هُوَ
निहायत पाक है	जो बादशाह है	वो ही	मगर	कोई इलाह (बरहक़)	नहीं	वो ही है जो	अल्लाह	वो

الْمُتَكَبِّرُؕ	الْجَبَّارُ	الْعَزِيْزُ	الْمُهَيْمِنُ	الْمُؤْمِنُ	السَّلٰمُ
बेहद बड़ाई वाला है	ज़बरदस्त ज़ोर आवर है	सब पर ग़ालिब है	निगहबान है	अमन देने वाला है	सलामती वाला है

الْبَارِئُ	الْخَالِقُ	اللّٰهُ	هُوَ	يُشْرِكُوْنَ ㉓	عَمَّا	اللّٰهِ	سُبْحٰنَ
वुजूद में लाने वाला है	जो पैदा करने वाला है	अल्लाह	वो	वो शरीक ठहराते हैं	उससे जो	अल्लाह	पाक है

مَا	لَهٗ	يُسَبِّحُ	الْحُسْنٰىؕ	الْاَسْمَآءُ	لَهُ	الْمُصَوِّرُ
(हर वो चीज़) जो	उसके लिए	तस्बीह करती है	अच्छे-अच्छे	नाम	उसी के लिए हैं	सूरत बनाने वाला है

الْحَكِيْمُ ع ㉔	الْعَزِيْزُ	وَهُوَ	وَالْاَرْضِۚ	فِى السَّمٰوٰتِ
ख़ूब हिक्मत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	और वो	और ज़मीन में है	आसमानों में

ع 3 7 6

رُكُوْعَاتُهَا: 2 — 91 سُوْرَةُ الْمُمْتَحِنَةِ مَدَنِيَّةٌ 60 — اٰيَاتُهَا: 13

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	لَا تَتَّخِذُوْا	عَدُوِّيْ	وَعَدُوَّكُمْ	اَوْلِيَآءَ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना तुम बनाओ	मेरे दुश्मनों	और अपने दुश्मनों को	दोस्त

تُلْقُوْنَ	اِلَيْهِمْ	بِالْمَوَدَّةِ	وَقَدْ	كَفَرُوْا	بِمَا	جَآءَكُمْ
तुम डालते हो	तरफ़ उनके	दोस्ती (का पैग़ाम)	हालांकि तहक़ीक़	उन्होंने इंकार किया	उसका जो	आया तुम्हारे पास

مِّنَ الْحَقِّ ۚ	يُخْرِجُوْنَ	الرَّسُوْلَ	وَاِيَّاكُمْ	اَنْ	تُؤْمِنُوْا	بِاللّٰهِ
हक़ में से	वो निकालते हैं	रसूल को	और तुम्हें	कि	तुम ईमान लाए हो	अल्लाह पर

رَبِّكُمْ ۭ	اِنْ	كُنْتُمْ	خَرَجْتُمْ	جِهَادًا	فِيْ سَبِيْلِيْ	وَابْتِغَآءَ
जो रब है तुम्हारा	अगर	हो तुम	निकले तुम	जिहाद के लिए	मेरे रास्ते में	और चाहने को

مَرْضَاتِيْ ڰ	تُسِرُّوْنَ	اِلَيْهِمْ	بِالْمَوَدَّةِ ڰ	وَاَنَا	اَعْلَمُ	بِمَآ
रज़ामंदी मेरी	तुम छुपा कर भेजते हो	तरफ़ उनके	दोस्ती (का पैग़ाम)	और मैं	ख़ूब जानता हूं	उसे जो

اَخْفَيْتُمْ	وَمَآ	اَعْلَنْتُمْ ۭ	وَمَنْ	يَّفْعَلْهُ	مِنْكُمْ	فَقَدْ	ضَلَّ
छुपाया तुमने	और जो	ज़ाहिर किया तुमने	और जो कोई	करेगा उसे	तुम में से	तो तहक़ीक़	वो भटक गया

سَوَآءَ	السَّبِيْلِ ①	اِنْ	يَّثْقَفُوْكُمْ	يَكُوْنُوْا	لَكُمْ	اَعْدَآءً
सीधे	रास्ते से	अगर	वो पा लें तुम्हें	होंगे वो	तुम्हारे	दुश्मन

وَّيَبْسُطُوْٓا	اِلَيْكُمْ	اَيْدِيَهُمْ	وَاَلْسِنَتَهُمْ	بِالسُّوْٓءِ	وَوَدُّوْا	لَوْ
और वो दराज़ करेंगे	तरफ़ तुम्हारे	हाथ अपने	और ज़बानें अपनी	साथ बुराई के	और वो चाहेंगे	काश

تَكْفُرُوْنَ ② ۭ	لَنْ	تَنْفَعَكُمْ	اَرْحَامُكُمْ	وَلَآ	اَوْلَادُكُمْ ۚ	يَوْمَ
तुम कुफ़्र करो	हरगिज़ नहीं	फ़ायदा देंगी तुम्हें	रिश्तेदारियां तुम्हारी	और ना	औलाद तुम्हारी	दिन

الْقِيٰمَةِ ۚ	يَفْصِلُ	بَيْنَكُمْ ۭ	وَاللّٰهُ	بِمَا	تَعْمَلُوْنَ	بَصِيْرٌ ③	قَدْ
क़यामत के	वो फ़ैसला करेगा	दर्मियान तुम्हारे	और अल्लाह	उसे जो	तुम अमल करते हो	ख़ूब देखने वाला है	तहक़ीक़

معانقة 16 السباع الوقف على القيٰمة ع 12

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

مَعَهٗ ج	وَالَّذِيْنَ	فِيْٓ اِبْرٰهِيْمَ	حَسَنَةٌ	اُسْوَةٌ	لَكُمْ	كَانَتْ
उसके साथ थे	और उन लोगों में जो	इब्राहीम में	अच्छा	नमूना	तुम्हारे लिए	है

تَعْبُدُوْنَ	وَمِمَّا	مِنْكُمْ	بُرَءٰٓؤُا	اِنَّا	لِقَوْمِهِمْ	قَالُوْا	اِذْ
तुम पूजते हो	और उनसे जिन्हें	तुम से	बेज़ार हैं	बेशक हम	अपनी क़ौम से	उन्होंने कहा	जब

الْعَدَاوَةُ	وَبَيْنَكُمُ	بَيْنَنَا	وَبَدَا	بِكُمْ	كَفَرْنَا	اللّٰهِ ز	مِنْ دُوْنِ
अदावत	और दर्मियान तुम्हारे	दर्मियान हमारे	और ज़ाहिर हो गई	तुम्हारा	इंकार किया हमने	अल्लाह के	सिवाए

قَوْلَ	اِلَّا	وَحْدَهٗٓ	بِاللّٰهِ	تُؤْمِنُوْا	حَتّٰى	اَبَدًا	وَالْبَغْضَآءُ
कहना	मगर	अकेले उसी पर	अल्लाह पर	तुम ईमान लाओ	यहां तक कि	हमेशा के लिए	और बुग़्ज़

مِنَ اللّٰهِ	لَكَ	اَمْلِكُ	وَمَآ	لَكَ	لَاَسْتَغْفِرَنَّ	لِاَبِيْهِ	اِبْرٰهِيْمَ
अल्लाह से	तेरे लिए	मैं मालिक	और नहीं	तेरे लिए	अलबत्ता मैं ज़रूर बख़्शिश मांगूँगा	अपने वालिद से	इब्राहीम का

وَاِلَيْكَ	اَنَبْنَا	وَاِلَيْكَ	تَوَكَّلْنَا	عَلَيْكَ	رَبَّنَا	مِنْ شَيْءٍ ط
और तरफ़ तेरे ही	रुजूअ किया हमने	और तरफ़ तेरे ही	तवक्कल किया हमने	तुझ पर ही	ऐ हमारे रब	किसी चीज़ का

كَفَرُوْا	لِّلَّذِيْنَ	فِتْنَةً	لَا تَجْعَلْنَا	رَبَّنَا	الْمَصِيْرُ ④
कुफ़्र किया	उनके लिए जिन्होंने	फ़ितना/आज़माइश	ना तू बना हमें	ऐ हमारे रब	लौटना है

لَقَدْ	الْحَكِيْمُ ⑤	الْعَزِيْزُ	اَنْتَ	اِنَّكَ	رَبَّنَا ج	لَنَا	وَاغْفِرْ
अलबत्ता तहक़ीक़	ख़ूब हिक्मत वाला	बहुत ज़बरदस्त	तू ही है	बेशक तू	ऐ हमारे रब	हमें	और बख़्श दे

يَرْجُوا	كَانَ	لِّمَنْ	حَسَنَةٌ	اُسْوَةٌ	فِيْهِمْ	لَكُمْ	كَانَ
वो उम्मीद रखता	हो वो	उसके लिए जो	अच्छा	नमूना	उनमें	तुम्हारे लिए	है

هُوَ	اللّٰهَ	فَاِنَّ	يَّتَوَلَّ	وَمَنْ	وَالْيَوْمَ الْاٰخِرَ ط	اللّٰهَ
वो ही है	अल्लाह	तो बेशक	मुंह मोड़ जाए	और जो कोई	और आख़िरी दिन की	अल्लाह (से मुलाक़ात) की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WE ARE FOUNDATION

ع 1 6 7

الْغَنِيُّ	الْحَمِيْدُ ⑥ ع	عَسَى	اللّٰهُ	اَنْ	يَّجْعَلَ	بَيْنَكُمْ	وَبَيْنَ
बहुत बेनियाज़	ख़ूब तारीफ़ वाला	उम्मीद है	अल्लाह	कि	वो डाल दे	दर्मियान तुम्हारे	और दर्मियान

الَّذِيْنَ	عَادَيْتُمْ	مِّنْهُمْ	مَّوَدَّةً ؕ	وَاللّٰهُ	قَدِيْرٌ ؕ	وَاللّٰهُ
उनके जिनसे	अदावत रखते हो तुम	उनमें से	दोस्ती	और अल्लाह	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है	और अल्लाह

غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ ⑦	لَا يَنْهٰكُمُ	اللّٰهُ	عَنِ الَّذِيْنَ	لَمْ
बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	नहीं रोकता तुम्हें	अल्लाह	उन लोगों से	नहीं

يُقَاتِلُوْكُمْ	فِي الدِّيْنِ	وَلَمْ	يُخْرِجُوْكُمْ	مِّنْ دِيَارِكُمْ	اَنْ
उन्होंने जंग की तुमसे	दीन के मामले में	और नहीं	उन्होंने निकाला तुम्हें	तुम्हारे घरों से	कि

تَبَرُّوْهُمْ	وَتُقْسِطُوْٓا	اِلَيْهِمْ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	يُحِبُّ	الْمُقْسِطِيْنَ ⑧
तुम नेकी करो उनसे	और तुम इंसाफ़ करो	उनसे	बेशक	अल्लाह	वो पसंद करता है	इंसाफ़ करने वालों को

اِنَّمَا	يَنْهٰكُمُ	اللّٰهُ	عَنِ الَّذِيْنَ	قٰتَلُوْكُمْ	فِي الدِّيْنِ	وَاَخْرَجُوْكُمْ
बेशक	रोकता है तुम्हें	अल्लाह	उनसे जिन्होंने	जंग की तुमसे	दीन के मामले में	और उन्होंने निकाला तुम्हें

مِّنْ دِيَارِكُمْ	وَظٰهَرُوْا	عَلٰٓى اِخْرَاجِكُمْ	اَنْ	تَوَلَّوْهُمْ ۚ
तुम्हारे घरों से	और उन्होंने एक दूसरे की मदद की	तुम्हारे निकालने पर	कि	तुम दोस्ती करो उनसे

وَمَنْ	يَّتَوَلَّهُمْ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الظّٰلِمُوْنَ ⑨	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ
और जो कोई	दोस्ती करेगा उनसे	तो यही लोग हैं	वो	जो ज़ालिम हैं	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوْٓا	اِذَا	جَآءَكُمُ	الْمُؤْمِنٰتُ	مُهٰجِرٰتٍ	فَامْتَحِنُوْهُنَّ ؕ	اَللّٰهُ
ईमान लाए हो	जब	आ जाएं तुम्हारे पास	मोमिन औरतें	हिजरत करने वालियां	तो इम्तिहान लो उनका	अल्लाह

اَعْلَمُ	بِاِيْمَانِهِنَّ ۚ	فَاِنْ	عَلِمْتُمُوْهُنَّ	مُؤْمِنٰتٍ	فَلَا	تَرْجِعُوْهُنَّ
ख़ूब जानता है	उनके ईमान को	फिर अगर	जान लो तुम उन्हें	ईमान वालियां	तो ना	तुम लौटाओ उन्हें

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اِلَى الْكُفَّارِ ؕ	لَا هُنَّ	حِلٌّ	لَّهُمْ	وَلَا	هُمْ	يَحِلُّوْنَ
तरफ़ कुफ़्फ़ार के	ना वो	हलाल हैं	उनके लिए	और ना	वो	वो हलाल हो सकते हैं

لَهُنَّ ؕ	وَاٰتُوْهُمْ	مَّآ	اَنْفَقُوْا ؕ	وَلَا	جُنَاحَ	عَلَيْكُمْ	اَنْ
उनके लिए	और दो उन्हें	जो	उन्होंने ख़र्च किया	और नहीं	कोई गुनाह	तुम पर	कि

تَنْكِحُوْهُنَّ	اِذَآ	اٰتَيْتُمُوْهُنَّ	اُجُوْرَهُنَّ ؕ	وَلَا	تُمْسِكُوْا	بِعِصَمِ
तुम निकाह करो उनसे	जब	दे चुको तुम उन्हें	मेहर उनके	और ना	तुम रोक रखो	इस्मतें

الْكَوَافِرِ	وَسْـَٔلُوْا	مَآ	اَنْفَقْتُمْ	وَلْيَسْـَٔلُوْا	مَآ	اَنْفَقُوْا ؕ
काफ़िर औरतों की	और तुम मांग लो	जो	ख़र्च किया तुमने	और चाहिए कि वो मांग लें	जो	उन्होंने ख़र्च किया

ذٰلِكُمْ	حُكْمُ	اللّٰهِ ؕ	يَحْكُمُ	بَيْنَكُمْ ؕ	وَاللّٰهُ	عَلِيْمٌ
ये	फ़ैसला है	अल्लाह का	वो फ़ैसला करता है	दर्मियान तुम्हारे	और अल्लाह	ख़ूब इल्म वाला है

حَكِيْمٌ ⑩	وَاِنْ	فَاتَكُمْ	شَيْءٌ	مِّنْ اَزْوَاجِكُمْ	اِلَى الْكُفَّارِ
ख़ूब हिक्मत वाला है	और अगर	रह जाए तुमसे	कोई चीज़ (मेहर)	तुम्हारी बीवियों की	तरफ़ कुफ़्फ़ार के

فَعَاقَبْتُمْ	فَاٰتُوا	الَّذِيْنَ	ذَهَبَتْ	اَزْوَاجُهُمْ	مِّثْلَ	مَآ
फिर तुम्हारी बारी आए	तो दो	उन लोगों को	चली गईं	बीवियां जिनकी	मानिंद उसके	जो

اَنْفَقُوْا ؕ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	الَّذِيْٓ	اَنْتُمْ	بِهٖ	مُؤْمِنُوْنَ ⑪	يٰٓاَيُّهَا
उन्होंने ख़र्च किया	और डरो	अल्लाह से	वो जो हो	तुम	उस पर	ईमान लाने वाले	ऐ

النَّبِيُّ	اِذَا	جَآءَكَ	الْمُؤْمِنٰتُ	يُبَايِعْنَكَ	عَلٰٓى	اَنْ
नबी	जब	आएं आपके पास	मोमिन औरतें	वो बैत करें आपसे	इस (बात) पर	कि

لَّا يُشْرِكْنَ	بِاللّٰهِ	شَيْـًٔا	وَّلَا	يَسْرِقْنَ	وَلَا	يَزْنِيْنَ	وَلَا
नहीं वो शरीक ठहराएंगी	साथ अल्लाह के	किसी चीज़ को	और ना	वो चोरी करेंगी	और ना	वो ज़िना करेंगी	और ना

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

يَقْتُلْنَ	اَوْلَادَهُنَّ	وَلَا	يَاْتِيْنَ	بِبُهْتَانٍ	يَّفْتَرِيْنَهٗ	بَيْنَ	اَيْدِيْهِنَّ
वो क़त्ल करेंगी	अपनी औलाद को	और ना	वो आएंगी	किसी बोहतान को	वो गढ़ लें उसे	दर्मियान	अपने हाथों

وَاَرْجُلِهِنَّ	وَلَا	يَعْصِيْنَكَ	فِيْ مَعْرُوْفٍ	فَبَايِعْهُنَّ	وَاسْتَغْفِرْ
और अपने पांव के	और ना	वो नाफ़रमानी करेंगी आपकी	किसी मारूफ़ में	तो बैत कर लीजिए उनसे	और बख़्शिश मांगिए

لَهُنَّ	اللّٰهَ	اِنَّ	اللّٰهَ	غَفُوْرٌ	رَّحِيْمٌ ⑫	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ
उनके लिए	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत रहम करने वाला है	ऐ लोगो जो

اٰمَنُوْا	لَا تَتَوَلَّوْا	قَوْمًا	غَضِبَ	اللّٰهُ	عَلَيْهِمْ	قَدْ	يَئِسُوْا
ईमान लाए हो	ना तुम दोस्त बनाओ	ऐसी क़ौम को	नाराज़ हुआ	अल्लाह	जिन पर	तहक़ीक़	वो मायूस हो गए

مِنَ الْاٰخِرَةِ	كَمَا	يَئِسَ	الْكُفَّارُ	مِنْ اَصْحٰبِ الْقُبُوْرِ ⑬ ع
आख़िरत से	जैसा कि	मायूस हुए	काफ़िर	क़ब्रों वालों से

الصّف ع 2 7 8

اٰيَاتُهَا: 14 | 61 سُوْرَةُ الصَّفِّ مَدَنِيَّةٌ 109 | رُكُوْعَاتُهَا: 2

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

سَبَّحَ	لِلّٰهِ	مَا	فِي السَّمٰوٰتِ	وَمَا	فِي الْاَرْضِ ج	وَهُوَ
तस्बीह की है	अल्लाह के लिए	उस चीज़ ने जो	आसमानों में है	और जो	ज़मीन में है	और वो

الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ ①	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	لِمَ	تَقُوْلُوْنَ	مَا
बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	क्यों	तुम कहते हो	वो जो

لَا تَفْعَلُوْنَ ②	كَبُرَ	مَقْتًا	عِنْدَ اللّٰهِ	اَنْ	تَقُوْلُوْا	مَا
नहीं तुम करते	बड़ी है	नाराज़गी	अल्लाह के नज़दीक	कि	तुम कहो	वो जो

لَا تَفْعَلُوْنَ ③	اِنَّ	اللّٰهَ	يُحِبُّ	الَّذِيْنَ	يُقَاتِلُوْنَ	فِيْ سَبِيْلِهٖ
नहीं तुम करते	बेशक	अल्लाह	मोहब्बत करता है	उन लोगों से जो	जंग करते हैं	उसके रास्ते में

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION

لِقَوْمِهٖ	مُوْسٰى	قَالَ	وَاِذْ	مَّرْصُوْصٌ ④	بُنْيَانٌ	كَاَنَّهُمْ	صَفًّا
अपनी क़ौम से	मूसा ने	कहा	और जब	सीसा पिलाई हुई	दीवार हैं	गोया कि वो	सफ़ बनाकर

اللّٰهِ	رَسُوْلُ	اَنِّيْ	تَّعْلَمُوْنَ	وَقَدْ	تُؤْذُوْنَنِيْ	لِمَ	يٰقَوْمِ
अल्लाह का	रसूल हूं	बेशक मैं	तुम जानते हो	हालांकि तहक़ीक़	तुम अज़ियत देते हो मुझे	क्यों	ऐ मेरी क़ौम

وَاللّٰهُ	قُلُوْبَهُمْ ؕ	اللّٰهُ	اَزَاغَ	زَاغُوْٓا	فَلَمَّا	اِلَيْكُمْ ؕ
और अल्लाह	उनके दिलों को	अल्लाह ने	टेढ़ा कर दिया	वो टेढ़े हुए	फिर जब	तुम्हारी तरफ़

ابْنُ مَرْيَمَ	عِيْسَى	قَالَ	وَاِذْ	الْفٰسِقِيْنَ ⑤	الْقَوْمَ	لَا يَهْدِي
इबने मरियम ने	ईसा	कहा	और जब	जो फ़ासिक़ है	उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

لِّمَا	مُّصَدِّقًا	اِلَيْكُمْ	اللّٰهِ	رَسُوْلُ	اِنِّيْ	يٰبَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ
उसकी जो	तसदीक़ करने वाला हूं	तुम्हारी तरफ़	अल्लाह का	रसूल हूं	बेशक मैं	ऐ बनी इस्राईल

مِنْۢ بَعْدِي	يَّاْتِيْ	بِرَسُوْلٍ	وَّمُبَشِّرًا	مِنَ التَّوْرٰىةِ	بَيْنَ يَدَيَّ
मेरे बाद	जो आएगा	एक रसूल की	और ख़ुशख़बरी देने वाला हूँ	तौरात में से	मुझसे पहले है

سِحْرٌ	هٰذَا	قَالُوْا	بِالْبَيِّنٰتِ	جَآءَهُمْ	فَلَمَّا	اَحْمَدُ ؕ	اسْمُهٗٓ
जादू है	ये	उन्होंने कहा	साथ वाज़ेह दलाइल के	वो आया उनके पास	फिर जब	अहमद (होगा)	नाम उसका

وَهُوَ	الْكَذِبَ	عَلَى اللّٰهِ	افْتَرٰى	مِمَّنِ	اَظْلَمُ	وَمَنْ	مُّبِيْنٌ ⑥
हालांकि वो	झूठ	अल्लाह पर	गढ़ ले	उससे जो	ज़्यादा ज़ालिम है	और कौन	खुल्लम-खुल्ला

الظّٰلِمِيْنَ ⑦	الْقَوْمَ	لَا يَهْدِي	وَاللّٰهُ	اِلَى الْاِسْلَامِ ؕ	يُدْعٰٓى
जो ज़ालिम हैं	उन लोगों को	नहीं वो हिदायत देता	और अल्लाह	तरफ़ इस्लाम के	वो बुलाया जाता हो

نُوْرِهٖ	مُتِمُّ	وَاللّٰهُ	بِاَفْوَاهِهِمْ	اللّٰهِ	نُوْرَ	لِيُطْفِـُٔوْا	يُرِيْدُوْنَ
अपने नूर को	पूरा करने वाला है	और अल्लाह	अपने मुंहों से	अल्लाह का	नूर	कि वो बुझा दें	वो चाहते हैं

وَلَوْ	كَرِهَ	الْكٰفِرُوْنَ (8)	هُوَ	الَّذِيْٓ	اَرْسَلَ	رَسُوْلَهٗ	بِالْهُدٰى
और अगरचे	नापसंद करें	काफ़िर	वो ही है	जिसने	भेजा	अपने रसूल को	साथ हिदायत के

وَدِيْنِ	الْحَقِّ	لِيُظْهِرَهٗ	عَلَى الدِّيْنِ	كُلِّهٖ	وَلَوْ	كَرِهَ
और दीने	हक़ के	ताकि वो ग़ालिब कर दे उसे	ऊपर दीनों के	सब के सब	और अगरचे	नापसंद करें

ع 1 9 9

الْمُشْرِكُوْنَ (9) ع	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	هَلْ	اَدُلُّكُمْ	عَلٰى تِجَارَةٍ
मुशरिक	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	क्या	मैं रहनुमाई करूं तुम्हारी	एक तिजारत पर

تُنْجِيْكُمْ	مِّنْ عَذَابٍ اَلِيْمٍ (10)	تُؤْمِنُوْنَ	بِاللّٰهِ	وَرَسُوْلِهٖ
जो निजात दे तुम्हें	दर्दनाक अज़ाब से	तुम ईमान लाओ	अल्लाह पर	और उसके रसूल पर

وَتُجَاهِدُوْنَ	فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ	بِاَمْوَالِكُمْ	وَاَنْفُسِكُمْ ط	ذٰلِكُمْ
और तुम जिहाद करो	अल्लाह के रास्ते में	साथ अपने मालों	और अपनी जानों के	ये

خَيْرٌ	لَّكُمْ	اِنْ	كُنْتُمْ	تَعْلَمُوْنَ (11) لا	يَغْفِرْ	لَكُمْ	ذُنُوْبَكُمْ
बेहतर है	तुम्हारे लिए	अगर	हो तुम	तुम इल्म रखते	वो बख़्श देगा	तुम्हारे लिए	तुम्हारे गुनाहों को

وَيُدْخِلْكُمْ	جَنّٰتٍ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ	وَمَسٰكِنَ
और वो दाख़िल करेगा तुम्हें	बाग़ात में	बहती हैं	जिनके नीचे से	नहरें	और घर

طَيِّبَةً	فِيْ جَنّٰتِ عَدْنٍ ط	ذٰلِكَ	الْفَوْزُ	الْعَظِيْمُ (12) لا	وَاُخْرٰى
पाकीज़ा	हमेशगी के बाग़ात में	ये है	कामयाबी	बहुत बड़ी	और एक दूसरी चीज़

تُحِبُّوْنَهَا ط	نَصْرٌ	مِّنَ اللّٰهِ	وَفَتْحٌ	قَرِيْبٌ ط	وَبَشِّرِ
तुम मोहब्बत रखते हो उससे	मदद	अल्लाह की तरफ़ से	और फ़तह	क़रीबी	और ख़ुशख़बरी दे दीजिए

الْمُؤْمِنِيْنَ (13)	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	كُوْنُوْٓا	اَنْصَارَ	اللّٰهِ	كَمَا
मोमिनों को	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	हो जाओ	मददगार	अल्लाह के	जैसे

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اِلَى اللّٰهِ ؕ	اَنْصَارِیْۤ	مَنْ	لِلْحَوَارِیّٖنَ	ابْنُ مَرْیَمَ	عِیْسَی	قَالَ
तरफ़ अल्लाह के	मददगार मेरा	कौन है	हवारियों से	इबने मरियम ने	ईसा	कहा था

طَّآئِفَةٌ	فَاٰمَنَتْ	اللّٰهِ	اَنْصَارُ	نَحْنُ	الْحَوَارِیُّوْنَ	قَالَ
एक गिरोह	तो ईमान लाया	अल्लाह के	मददगार	हम हैं	हवारियों ने	कहा

الَّذِیْنَ	فَاَیَّدْنَا	طَّآئِفَةٌ ۚ	وَ كَفَرَتْ	مِّنْۢ بَنِیْۤ اِسْرَآءِیْلَ
उनको जो	तो क़ुव्वत दी हमने	एक गिरोह ने	और कुफ़्र किया	बनी इस्राईल में से

ع 2 5 10

ظٰهِرِیْنَ ﴿14﴾ ع	فَاَصْبَحُوْا	عَلٰى عَدُوِّهِمْ	اٰمَنُوْا
ग़ालिब	तो हो गए वो	ऊपर उनके दुश्मनों के	ईमान लाए

رُكُوْعَاتُهَا: 2 — 110 سُوْرَةُ الْجُمُعَةِ مَدَنِيَّةٌ 62 — اٰيَاتُهَا: 11

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

الْمَلِكِ	فِی الْاَرْضِ	وَ مَا	فِی السَّمٰوٰتِ	مَا	لِلّٰهِ	یُسَبِّحُ
जो बादशाह है	ज़मीन में है	और जो	आसमानों में है	हर वो चीज़ जो	अल्लाह के लिए	तस्बीह करती है

فِی الْاُمِّیّٖنَ	بَعَثَ	الَّذِیْ	هُوَ	الْحَكِیْمِ ﴿1﴾	الْعَزِیْزِ	الْقُدُّوْسِ
अनपढ़ लोगों में	भेजा	जिसने	वो ही है	ख़ूब हिक्मत वाला है	बहुत ज़बरदस्त है	निहायत पाकीज़ा है

وَ یُعَلِّمُهُمُ	وَ یُزَكِّیْهِمْ	اٰیٰتِهٖ	عَلَیْهِمْ	یَتْلُوْا	مِّنْهُمْ	رَسُوْلًا
और वो सिखाता है उन्हें	और वो तज़किया करता है उनका	उसकी आयात	उन पर	जो तिलावत करता है	उन्हीं में से	एक रसूल

مُّبِیْنٍ ﴿2﴾ ۙ	لَفِیْ ضَلٰلٍ	مِنْ قَبْلُ	كَانُوْا	وَ اِنْ	وَ الْحِكْمَةَ ۗ	الْكِتٰبَ
खुली	अलबत्ता गुमराही में	इससे पहले	थे वो	और बेशक	और हिक्मत	किताब

الْعَزِیْزُ	وَ هُوَ	بِهِمْ ؕ	یَلْحَقُوْا	لَمَّا	مِنْهُمْ	وَّ اٰخَرِیْنَ
बहुत ज़बरदस्त है	और वो	उनसे	वो मिले	जो अभी तक नहीं	उनमें से	और दूसरों (के लिए भी)

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْحَكِيْمُ ③	ذٰلِكَ	فَضْلُ	اللّٰهِ	يُؤْتِيْهِ	مَنْ	يَّشَآءُ ؕ	وَاللّٰهُ
ख़ूब हिक्मत वाला है	ये	फ़ज़्ल है	अल्लाह का	वो देता है उसको	जिसे	वो चाहता है	और अल्लाह

ذُو الْفَضْلِ	الْعَظِيْمِ ④	مَثَلُ	الَّذِيْنَ	حُمِّلُوا	التَّوْرٰىةَ	ثُمَّ
फ़ज़्ल वाला है	बहुत बड़े	मिसाल	उनकी जो	उठवाए गए	तौरात	फिर

لَمْ	يَحْمِلُوْهَا	كَمَثَلِ	الْحِمَارِ	يَحْمِلُ	اَسْفَارًا ؕ	بِئْسَ	مَثَلُ
नहीं	उन्होंने उठाया उसे	मानिंद मिसाल	गधे की	जो उठाता है	किताबें	कितनी बुरी है	मिसाल

الْقَوْمِ	الَّذِيْنَ	كَذَّبُوْا	بِاٰيٰتِ اللّٰهِ ؕ	وَاللّٰهُ	لَا يَهْدِى	الْقَوْمَ
उन लोगों की	जिन्होंने	झुठलाया	अल्लाह की आयात को	और अल्लाह	नहीं वो हिदायत देता	उन लोगों को

الظّٰلِمِيْنَ ⑤	قُلْ	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	هَادُوْۤا	اِنْ	زَعَمْتُمْ	اَنَّكُمْ
जो ज़ालिम हैं	कह दीजिए	ऐ लोगो जो	यहूदी बन गए हो	अगर	तुम ज़अम/गुमान रखते हो	बेशक तुम

اَوْلِيَآءُ	لِلّٰهِ	مِنْ دُوْنِ	النَّاسِ	فَتَمَنَّوُا	الْمَوْتَ	اِنْ	كُنْتُمْ
दोस्त हो	अल्लाह के	सिवाय	लोगों के	पस तुम तमन्ना करो	मौत की	अगर	हो तुम

صٰدِقِيْنَ ⑥	وَلَا	يَتَمَنَّوْنَهٗۤ	اَبَدًا	بِمَا	قَدَّمَتْ	اَيْدِيْهِمْ ؕ
सच्चे	और नहीं	वो तमन्ना करेंगे उसकी	कभी भी	बवजह उसके जो	आगे भेजा	उनके हाथों ने

وَاللّٰهُ	عَلِيْمٌۢ	بِالظّٰلِمِيْنَ ⑦	قُلْ	اِنَّ	الْمَوْتَ	الَّذِىْ
और अल्लाह	ख़ूब जानने वाला है	ज़ालिमों को	कह दीजिए	बेशक	मौत	वो जो

تَفِرُّوْنَ	مِنْهُ	فَاِنَّهٗ	مُلٰقِيْكُمْ	ثُمَّ	تُرَدُّوْنَ	اِلٰى عٰلِمِ	الْغَيْبِ
तुम भागते हो	उससे	तो बेशक वो	मिलने वाली है तुम से	फिर	तुम लौटाए जाओगे	तरफ़ जानने वाले	ग़ैब के

ع 1 8 11

وَالشَّهَادَةِ	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ	تَعْمَلُوْنَ ⑧ ع	يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ
और हाज़िर के	फिर वो बता देगा तुम्हें	वो जो	थे तुम	तुम अमल करते	ऐ लोगो जो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

فَاسْعَوْا	الْجُمُعَةِ	مِنْ يَّوْمِ	لِلصَّلٰوةِ	نُوْدِيَ	اِذَا	اٰمَنُوْٓا
तो दौड़ो	जुमा के	दिन	नमाज़ के लिए	पुकारा जाए	जब	ईमान लाए हो

اِنْ	لَّكُمْ	خَيْرٌ	ذٰلِكُمْ	الْبَيْعَ ط	وَذَرُوا	اِلٰى ذِكْرِ اللّٰهِ
अगर	तुम्हारे लिए	बेहतर है	ये	ख़रीदो फ़रोख़्त	और छोड़ दो	तरफ़ अल्लाह के ज़िक्र के

فِى الْاَرْضِ	فَانْتَشِرُوْا	الصَّلٰوةُ	قُضِيَتِ	فَاِذَا	تَعْلَمُوْنَ (9)	كُنْتُمْ
ज़मीन में	तो फैल जाओ	नमाज़	पूरी हो जाए	फिर जब	तुम इल्म रखते	हो तुम

لَّعَلَّكُمْ	كَثِيْرًا	اللّٰهَ	وَاذْكُرُوا	مِنْ فَضْلِ اللّٰهِ	وَابْتَغُوْا
ताकि तुम	कसरत से	अल्लाह का	और ज़िक्र करो	अल्लाह के फ़ज़्ल में से	और तलाश करो

انْفَضُّوْٓا	لَهْوًا	اَوْ	تِجَارَةً	رَاَوْا	وَاِذَا	تُفْلِحُوْنَ (10)
वो दौड़ पड़े	खेल-तमाशे को	या	तिजारत को	उन्होंने देखा	और जब	तुम फ़लाह पा जाओ

خَيْرٌ	عِنْدَ اللّٰهِ	مَا	قُلْ	قَآئِمًا ط	وَتَرَكُوْكَ	اِلَيْهَا
बेहतर है	अल्लाह के पास है	जो	कह दीजिए	खड़े हुए	और उन्होंने छोड़ दिया आपको	तरफ़ उसके

ع 2 3 12

الرّٰزِقِيْنَ (11) ع	خَيْرٌ	وَاللّٰهُ	وَمِنَ التِّجَارَةِ ط	مِّنَ اللَّهْوِ
सब रिज़्क़ देने वालों से	बेहतर है	और अल्लाह	और तिजारत से	खेल तमाशे से

رُكُوْعَاتُهَا: 2 — 104 سُوْرَةُ الْمُنٰفِقُوْنَ مَدَنِيَّةٌ 63 — اٰيَاتُهَا: 11

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

لَرَسُوْلُ	اِنَّكَ	نَشْهَدُ	قَالُوْا	الْمُنٰفِقُوْنَ	جَآءَكَ	اِذَا
यक़ीनन रसूल हैं	कि बेशक आप	हम गवाही देते हैं	वो कहते हैं	मुनाफ़िक़	आते हैं आपके पास	जब

وقف لازم

اِنَّ	يَشْهَدُ	وَاللّٰهُ	لَرَسُوْلُهٗ ط	اِنَّكَ	يَعْلَمُ	وَاللّٰهُ	اللّٰهِ م
बेशक	गवाही देता है	और अल्लाह	यक़ीनन रसूल हैं उसके	बेशक आप	वो जानता है	और अल्लाह	अल्लाह के

HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْمُنٰفِقِيْنَ	لَكٰذِبُوْنَ ۚ (1)	اِتَّخَذُوْٓا	اَيْمَانَهُمْ	جُنَّةً	فَصَدُّوْا
मुनाफ़िक़	अलबत्ता झूठे हैं	उन्होंने बना लिया	अपनी क़समों को	ढाल	तो उन्होंने रोका

عَنْ سَبِيْلِ اللّٰهِ ؕ	اِنَّهُمْ	سَآءَ	مَا	كَانُوْا	يَعْمَلُوْنَ (2)	ذٰلِكَ
अल्लाह के रास्ते से	बेशक वो	कितना बुरा है	जो	हैं वो	वो अमल करते	ये

بِاَنَّهُمْ	اٰمَنُوْا	ثُمَّ	كَفَرُوْا	فَطُبِعَ	عَلٰى قُلُوْبِهِمْ	فَهُمْ
बवजह उसके कि वो	वो ईमान लाए	फिर	उन्होंने कुफ़्र किया	तो मोहर लगा दी गई	ऊपर उनके दिलों के	पस वो

لَا يَفْقَهُوْنَ (3)	وَاِذَا	رَاَيْتَهُمْ	تُعْجِبُكَ	اَجْسَامُهُمْ ؕ	وَاِنْ	يَّقُوْلُوْا
नहीं वो समझते	और जब	देखें आप उन्हें	अच्छे लगेंगे आपको	जिस्म उनके	और अगर	वो बात करें

تَسْمَعْ	لِقَوْلِهِمْ ؕ	كَاَنَّهُمْ	خُشُبٌ	مُّسَنَّدَةٌ ؕ	يَحْسَبُوْنَ	كُلَّ
आप सुनते रह जाएं	उनकी बात को	गोया कि वो	लकड़ियां हैं	टेक लगाई हुई	वो गुमान करते हैं	हर

صَيْحَةٍ	عَلَيْهِمْ ؕ	هُمُ	الْعَدُوُّ	فَاحْذَرْهُمْ ؕ	قٰتَلَهُمُ	اللّٰهُ ز	اَنّٰى
बुलंद आवाज़ को	अपने ऊपर	वो ही	दुश्मन हैं	पस आप मोहतात रहिए उनसे	ग़ारत करे उन्हें	अल्लाह	कहां से

يُؤْفَكُوْنَ (4)	وَاِذَا	قِيْلَ	لَهُمْ	تَعَالَوْا	يَسْتَغْفِرْ	لَكُمْ
वो फेरे जाते हैं	और जब	कहा जाता है	उनसे	आओ	बख़्शिश की दुआ करें	तुम्हारे लिए

رَسُوْلُ اللّٰهِ	لَوَّوْا	رُءُوْسَهُمْ	وَرَاَيْتَهُمْ	يَصُدُّوْنَ	وَهُمْ
अल्लाह के रसूल	वो मोड़ते हैं	अपने सरों को	और देखते हैं आप उन्हें	वो रुकते हैं	इस हाल में कि वो

مُّسْتَكْبِرُوْنَ (5)	سَوَآءٌ	عَلَيْهِمْ	اَسْتَغْفَرْتَ	لَهُمْ	اَمْ	لَمْ	تَسْتَغْفِرْ
तकब्बुर करने वाले हैं	यक्सां है	उन पर	ख़्वाह बख़्शिश मांगें आप	उनके लिए	या	ना	आप बख़्शिश मांगें

لَهُمْ ؕ	لَنْ	يَّغْفِرَ	اللّٰهُ	لَهُمْ ؕ	اِنَّ	اللّٰهَ	لَا يَهْدِى	الْقَوْمَ
उनके लिए	हरगिज़ नहीं	बख़्शेगा	अल्लाह	उन्हें	बेशक	अल्लाह	नहीं वो हिदायत देता	उन लोगों को

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

الْفٰسِقِيْنَ ⑥	هُمُ	الَّذِيْنَ	يَقُوْلُوْنَ	لَا تُنْفِقُوْا	عَلٰى	مَنْ	عِنْدَ
जो फ़ासिक़ है	वो ही हैं	जो	कहते हैं	ना तुम ख़र्च करो	ऊपर	उनके जो	पास हैं

رَسُوْلِ اللّٰهِ	حَتّٰى	يَنْفَضُّوْا ؕ	وَلِلّٰهِ	خَزَآئِنُ	السَّمٰوٰتِ	وَالْاَرْضِ
रसूल अल्लाह के	यहां तक कि	वो मुंतशिर हो जाएं	और अल्लाह ही के लिए हैं	ख़ज़ाने	आसमानों	और ज़मीन के

وَلٰكِنَّ	الْمُنٰفِقِيْنَ	لَا يَفْقَهُوْنَ ⑦	يَقُوْلُوْنَ	لَئِنْ	رَّجَعْنَآ
और लेकिन	मुनाफ़िक़	नहीं वो समझते	वो कहते हैं	अलबत्ता अगर	वापस लौटे हम

اِلَى الْمَدِيْنَةِ	لَيُخْرِجَنَّ	الْاَعَزُّ	مِنْهَا	الْاَذَلَّ ؕ	وَلِلّٰهِ
तरफ़ मदीना के	अलबत्ता ज़रूर निकाल देगा	ज़्यादा इज़्ज़त वाला	उससे	ज़्यादा ज़िल्लत वाले को	और अल्लाह ही के लिए है

ع 1 8 13

الْعِزَّةُ	وَلِرَسُوْلِهٖ	وَلِلْمُؤْمِنِيْنَ	وَلٰكِنَّ	الْمُنٰفِقِيْنَ	لَا يَعْلَمُوْنَ ⑧ ع
इज़्ज़त	और उसके रसूल के लिए	और मोमिनों के लिए	और लेकिन	मुनाफ़िक़	नहीं वो जानते

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	لَا تُلْهِكُمْ	اَمْوَالُكُمْ	وَلَآ	اَوْلَادُكُمْ
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना ग़ाफ़िल करें तुम्हें	माल तुम्हारे	और ना	औलाद तुम्हारी

عَنْ ذِكْرِ اللّٰهِ ۚ	وَمَنْ	يَّفْعَلْ	ذٰلِكَ	فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْخٰسِرُوْنَ ⑨
अल्लाह के ज़िक्र से	और जो कोई	करेगा	ऐसा	तो यही लोग हैं	वो	जो ख़सारा पाने वाले हैं

وَاَنْفِقُوْا	مِنْ مَّا	رَزَقْنٰكُمْ	مِّنْ قَبْلِ	اَنْ	يَّاْتِيَ	اَحَدَكُمُ
और ख़र्च करो	उसमें से जो	रिज़्क़ दिया हमने तुम्हें	इससे पहले	कि	आ जाए	तुम में से किसी एक को

الْمَوْتُ	فَيَقُوْلَ	رَبِّ	لَوْلَآ	اَخَّرْتَنِيْٓ	اِلٰٓى اَجَلٍ	قَرِيْبٍ ۙ
मौत	तो वो कहे	ऐ मेरे रब	क्यों ना	मोहलत दी तूने मुझे	एक वक़्त तक	क़रीब के

فَاَصَّدَّقَ	وَاَكُنْ	مِّنَ الصّٰلِحِيْنَ ⑩	وَلَنْ	يُّؤَخِّرَ	اللّٰهُ	نَفْسًا
तो मैं सदक़ा करता	और मैं हो जाता	नेक लोगों में से	और हरगिज़ ना	मोहलत देगा	अल्लाह	किसी नफ़्स को

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 2 3 14

تَعْمَلُوْنَ ﴿11﴾ ع	بِمَا	خَبِيْرٌ	وَاللّٰهُ	اَجَلُهَا ط	جَآءَ	اِذَا
तुम अमल करते हो	उसकी जो	ख़ूब ख़बर रखने वाला है	और अल्लाह	मौत उसकी	आ जाएगी	जब

رُكُوْعَاتُهَا : 2 — 108 سُوْرَةُ التَّغَابُنِ مَدَنِيَّةٌ 64 — اٰيَاتُهَا : 18

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

الْمُلْكُ	لَهُ	فِي الْاَرْضِ ج	وَمَا	فِي السَّمٰوٰتِ	مَا	لِلّٰهِ	يُسَبِّحُ
बादशाहत	उसी के लिए है	ज़मीन में है	और जो	आसमानों में है	हर वो चीज़ जो	अल्लाह के लिए	तस्बीह करती है

الَّذِيْ	هُوَ	قَدِيْرٌ ﴿1﴾	شَيْءٍ	كُلِّ	عَلٰى	وَهُوَ	الْحَمْدُ ز	وَلَهُ
जिसने	वो ही है	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है	चीज़ के	हर	ऊपर	और वो	सब तारीफ़	और उसी के लिए है

بِمَا	وَاللّٰهُ	مُّؤْمِنٌ ط	وَّمِنْكُمْ	كَافِرٌ	فَمِنْكُمْ	خَلَقَكُمْ
उसे जो	और अल्लाह	कोई मोमिन है	और तुम में से	कोई काफ़िर है	तो तुम में से	पैदा किया तुम्हें

وَصَوَّرَكُمْ	بِالْحَقِّ	وَالْاَرْضَ	السَّمٰوٰتِ	خَلَقَ	بَصِيْرٌ ﴿2﴾	تَعْمَلُوْنَ
और सूरत बनाई तुम्हारी	साथ हक़ के	और ज़मीन को	आसमानों	उसने पैदा किया	ख़ूब देखने वाला है	तुम अमल करते हो

فِي السَّمٰوٰتِ	مَا	يَعْلَمُ	الْمَصِيْرُ ﴿3﴾	وَاِلَيْهِ	صُوَرَكُمْ ج	فَاَحْسَنَ
आसमानों में है	जो कुछ	वो जानता है	लौटना है	और तरफ़ उसी के	सूरतें तुम्हारी	तो उसने अच्छी बनाईं

عَلِيْمٌ	وَاللّٰهُ	تُعْلِنُوْنَ ط	وَمَا	تُسِرُّوْنَ	مَا	وَيَعْلَمُ	وَالْاَرْضِ
ख़ूब जानने वाला है	और अल्लाह	तुम ज़ाहिर करते हो	और जो कुछ	तुम छुपाते हो	जो कुछ	और वो जानता है	और ज़मीन में

كَفَرُوْا	الَّذِيْنَ	نَبَؤُا	يَاْتِكُمْ	اَلَمْ	بِذَاتِ الصُّدُوْرِ ﴿4﴾
कुफ़्र किया	उनकी जिन्होंने	ख़बर	आई तुम्हारे पास	क्या नहीं	सीनों वाले (भेद)

اَلِيْمٌ ﴿5﴾	عَذَابٌ	وَلَهُمْ	اَمْرِهِمْ	وَبَالَ	فَذَاقُوْا	مِنْ قَبْلُ ز
दर्दनाक	अज़ाब	और उनके लिए है	अपने काम का	वबाल	फिर उन्होंने चखा	उससे पहले

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

اَبَشَرٌ	فَقَالُوْٓا	بِالْبَيِّنٰتِ	رُسُلُهُمْ	تَّاْتِيْهِمْ	كَانَتْ	بِاَنَّهٗ	ذٰلِكَ
क्या इंसान	तो वो कहते	साथ वाज़ेह आयात के	रसूल उनके	आते उनके पास	थे	बवजह उसके कि वो	ये

غَنِيٌّ	وَاللّٰهُ	اللّٰهُ ؕ	وَّاسْتَغْنَى	وَتَوَلَّوْا	فَكَفَرُوْا	يَّهْدُوْنَنَا ؗ
बहुत बेनियाज़ है	और अल्लाह	अल्लाह ने	और परवाह ना की	और वो मुंह मोड़ गए	तो उन्होंने कुफ़्र किया	रहनुमाई करेंगे हमारी

قُلْ	يُّبْعَثُوْا ؕ	لَّنْ	اَنْ	كَفَرُوْٓا	الَّذِيْنَ	زَعَمَ	حَمِيْدٌ ⑥
कह दीजिए	वो उठाए जाएंगे	हरगिज़ नहीं	कि	कुफ़्र किया	उन लोगों ने जिन्होंने	दावा किया	ख़ूब तारीफ़ वाला है

عَمِلْتُمْ ؕ	بِمَا	لَتُنَبَّؤُنَّ	ثُمَّ	لَتُبْعَثُنَّ	وَرَبِّيْ	بَلٰى
अमल किए तुमने	उसकी जो	अलबत्ता तुम ज़रूर ख़बर दिए जाओगे	फिर	अलबत्ता तुम ज़रूर उठाए जाओगे	क़सम है मेरे रब की	क्यों नहीं

وَالنُّوْرِ	وَرَسُوْلِهٖ	بِاللّٰهِ	فَاٰمِنُوْا	يَسِيْرٌ ⑦	عَلَى اللّٰهِ	وَذٰلِكَ
और उस नूर पर	और उसके रसूल पर	अल्लाह पर	पस ईमान लाओ	बहुत आसान है	अल्लाह पर	और ये

يَوْمَ	خَبِيْرٌ ⑧	تَعْمَلُوْنَ	بِمَا	وَاللّٰهُ	اَنْزَلْنَا ؕ	الَّذِيْٓ
जिस दिन	ख़ूब ख़बर रखने वाला है	तुम अमल करते हो	उसकी जो	और अल्लाह	नाज़िल किया हमने	वो जो

وَمَنْ	التَّغَابُنِ ؕ	يَوْمُ	ذٰلِكَ	لِيَوْمِ الْجَمْعِ	يَجْمَعُكُمْ
और जो कोई	हार-जीत का	दिन होगा	ये	जमा होने के दिन के लिए	वो जमा करेगा तुम्हें

سَيِّاٰتِهٖ	عَنْهُ	يُّكَفِّرْ	صَالِحًا	وَيَعْمَلْ	بِاللّٰهِ	يُّؤْمِنْۢ
बुराईया उसकी	उससे	वो दूर कर देगा	नेक	और वो अमल करेगा	अल्लाह पर	ईमान लाएगा

فِيْهَآ	خٰلِدِيْنَ	الْاَنْهٰرُ	مِنْ تَحْتِهَا	تَجْرِيْ	جَنّٰتٍ	وَيُدْخِلْهُ
उनमें	हमेशा रहने वाले हैं	नहरें	उनके नीचे से	बहती हैं	बाग़ात में	और वो दाख़िल करेगा उसे

وَكَذَّبُوْا	كَفَرُوْا	وَالَّذِيْنَ	الْعَظِيْمُ ⑨	الْفَوْزُ	ذٰلِكَ	اَبَدًا ؕ
और झुठलाया	कुफ़्र किया	और वो जिन्होंने	बहुत बड़ी	कामयाबी है	यही	हमेशा-हमेशा

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَبِئْسَ	فِيهَا ؕ	خٰلِدِينَ	النَّارِ	أَصْحٰبُ	أُولٰٓئِكَ	بِاٰيٰتِنَآ
और कितनी बुरी है	उसमें	हमेशा रहने वाले हैं	आग के	साथी	यही लोग हैं	हमारी आयात को

وَمَنْ	بِإِذْنِ اللّٰهِ ؕ	إِلَّا	مِنْ مُّصِيبَةٍ	أَصَابَ	مَآ	الْمَصِيرُ ⑩ ع
और जो कोई	अल्लाह के इज़्न से	मगर	कोई मुसीबत	पहुंचती	नहीं	लौटने की जगह

ع 1 10 15 التَّغَابُن

عَلِيمٌ ⑪	شَيْءٍ	بِكُلِّ	وَاللّٰهُ	قَلْبَهُ ؕ	يَهْدِ	بِاللّٰهِ	يُؤْمِنْۢ
ख़ूब जानने वाला है	चीज़ को	हर	और अल्लाह	उसके दिल को	वो हिदायत देता है	अल्लाह पर	ईमान लाता है

فَإِنَّمَا	تَوَلَّيْتُمْ	فَإِنْ	الرَّسُولَ ج	وَأَطِيعُوا	اللّٰهَ	وَأَطِيعُوا
तो बेशक	मुंह मोड़ते हो तुम	फिर अगर	रसूल की	और इताअत करो	अल्लाह की	और इताअत करो

هُوَ ؕ	إِلَّا	إِلٰهَ	لَآ	اَللّٰهُ	الْمُبِينُ ⑫	الْبَلٰغُ	عَلٰى رَسُولِنَا
वो ही	मगर	कोई इलाह (बरहक़)	नहीं	अल्लाह	खुल्लम-खुल्ला	पहुंचा देना है	ऊपर हमारे रसूल के

إِنَّ	اٰمَنُوٓا	يٰٓأَيُّهَا الَّذِينَ	الْمُؤْمِنُونَ ⑬	فَلْيَتَوَكَّلِ	وَعَلَى اللّٰهِ
बेशक	ईमान लाए हो	ऐ लोगो जो	मोमिन	पस चाहिए कि तवक्कुल करें	और अल्लाह ही पर

وَإِنْ	فَاحْذَرُوهُمْ ج	لَّكُمْ	عَدُوًّا	وَأَوْلَادِكُمْ	مِنْ أَزْوَاجِكُمْ
और अगर	पस मोहतात रहो उनसे	तुम्हारे	दुश्मन हैं	और तुम्हारी औलाद में से	तुम्हारी बीवियों में से

رَّحِيمٌ ⑭	غَفُورٌ	اللّٰهَ	فَإِنَّ	وَتَغْفِرُوا	وَتَصْفَحُوا	تَعْفُوا
निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	अल्लाह	तो बेशक	और तुम बख़्श दो	और तुम दरगुज़र करो	तुम माफ़ कर दो

أَجْرٌ	عِنْدَهُٓ	وَاللّٰهُ	فِتْنَةٌ ؕ	وَأَوْلَادُكُمْ	أَمْوَالُكُمْ	إِنَّمَآ
अजर है	उसी के पास	और अल्लाह	आज़माइश हैं	और औलाद तुम्हारी	माल तुम्हारे	बेशक

وَأَطِيعُوا	وَاسْمَعُوا	اسْتَطَعْتُمْ	مَا	اللّٰهَ	فَاتَّقُوا	عَظِيمٌ ⑮
और इताअत करो	और सुनो	इस्तिताअत रखते हो तुम	जितनी	अल्लाह से	पस डरो	बहुत बड़ा

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

وَاَنْفِقُوْا	خَيْرًا	لِّاَنْفُسِكُمْ ؕ	وَمَنْ	يُّوْقَ	شُحَّ	نَفْسِهٖ
और ख़र्च करो	बेहतर है	तुम्हारे नफ़्सों के लिए	और जो कोई	बचा लिया गया	बख़ीली से	अपने नफ़्स की

فَاُولٰٓئِكَ	هُمُ	الْمُفْلِحُوْنَ (16)	اِنْ	تُقْرِضُوا	اللّٰهَ	قَرْضًا	حَسَنًا
तो यही लोग हैं	वो	जो फ़लाह पाने वाले हैं	अगर	तुम क़र्ज़ दोगे	अल्लाह को	क़र्ज़	अच्छा

يُّضٰعِفْهُ	لَكُمْ	وَيَغْفِرْ	لَكُمْ ؕ	وَاللّٰهُ	شَكُوْرٌ	حَلِيْمٌ (17) ۙ
वो कई गुना कर देगा उसे	तुम्हारे लिए	और वो बख़्श देगा	तुम्हें	और अल्लाह	बहुत क़द्रदान है	निहायत बुर्दबार है

ع 2 8 16

عٰلِمُ	الْغَيْبِ	وَالشَّهَادَةِ	الْعَزِيْزُ	الْحَكِيْمُ (18) ع
जानने वाला है	ग़ैब	और हाज़िर का	बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है

آيَاتُهَا: 12 — 65 سُوْرَةُ الطَّلَاقِ مَدَنِيَّةٌ 99 — رُكُوْعَاتُهَا: 2

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

يٰٓاَيُّهَا	النَّبِيُّ	اِذَا	طَلَّقْتُمُ	النِّسَآءَ	فَطَلِّقُوْهُنَّ	لِعِدَّتِهِنَّ
ऐ	नबी	जब	तलाक़ दो तुम	औरतों को	तो तलाक़ दो उन्हें	उनकी इद्दत के लिए

وَاَحْصُوا	الْعِدَّةَ ۚ	وَاتَّقُوا	اللّٰهَ	رَبَّكُمْ ۚ	لَا تُخْرِجُوْهُنَّ	مِنْۢ بُيُوْتِهِنَّ
और शुमार करो	इद्दत को	और डरो	अल्लाह से	जो रब है तुम्हारा	ना तुम निकालो उन्हें	उनके घरों से

وَلَا	يَخْرُجْنَ	اِلَّآ	اَنْ	يَّاْتِيْنَ	بِفَاحِشَةٍ	مُّبَيِّنَةٍ ؕ	وَتِلْكَ
और ना	वो निकलें	मगर	ये कि	वो आएं	बेहयाई को	खुली	और यह

حُدُوْدُ	اللّٰهِ ؕ	وَمَنْ	يَّتَعَدَّ	حُدُوْدَ	اللّٰهِ	فَقَدْ	ظَلَمَ	نَفْسَهٗ ؕ
हुदूद हैं	अल्लाह की	और जो कोई	तजावुज़ करेगा	हुदूद से	अल्लाह की	तो तहक़ीक़	उसने ज़ुल्म किया	अपनी जान पर

لَا تَدْرِيْ	لَعَلَّ	اللّٰهَ	يُحْدِثُ	بَعْدَ	ذٰلِكَ	اَمْرًا (1)	فَاِذَا
नहीं तुम जानते	शायद कि	अल्लाह	वो पैदा कर दे	बाद	इसके	कोई सूरत	फिर जब

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

بَلَغْنَ	اَجَلَهُنَّ	فَاَمْسِكُوْهُنَّ	بِمَعْرُوْفٍ	اَوْ	فَارِقُوْهُنَّ	بِمَعْرُوْفٍ
वो पहुंचें	अपनी मुद्दत को	तो रोक लो उन्हें	भले तरीक़े से	या	जुदा कर दो उन्हें	भले तरीक़े से

وَّاَشْهِدُوْا	ذَوَیْ عَدْلٍ	مِّنْكُمْ	وَاَقِيْمُوا	الشَّهَادَةَ	لِلّٰهِ ؕ	ذٰلِكُمْ
और गवाह बना लो	दो अदल वालों को	तुम में से	और क़ायम करो	गवाही	अल्लाह के लिए	ये (है हुक्म)

يُوْعَظُ	بِهٖ	مَنْ	كَانَ	يُؤْمِنُ	بِاللّٰهِ	وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ ۬ۚ
नसीहत की जाती है	जिसकी	उसे जो	हो वो	वो ईमान रखता	अल्लाह पर	और आख़िरी दिन पर

وَمَنْ	يَّتَّقِ	اللّٰهَ	يَجْعَلْ	لَّهٗ	مَخْرَجًا ۙ (2)	وَّيَرْزُقْهُ
और जो कोई	डरेगा	अल्लाह से	वो पैदा कर देगा	उसके लिए	निकलने का रास्ता	और वो रिज़्क़ देगा उसे

مِنْ حَيْثُ	لَا يَحْتَسِبُ ؕ	وَمَنْ	يَّتَوَكَّلْ	عَلَى اللّٰهِ	فَهُوَ	حَسْبُهٗ ؕ
जहाँ से	ना वो गुमान करता हो	और जो कोई	तवक्कल करेगा	अल्लाह पर	तो वो	काफ़ी है उसे

اِنَّ	اللّٰهَ	بَالِغُ	اَمْرِهٖ ؕ	قَدْ	جَعَلَ	اللّٰهُ	لِكُلِّ	شَیْءٍ
बेशक	अल्लाह	पूरा करने वाला है	अपने काम को	तहक़ीक़	बना दिया	अल्लाह ने	वास्ते हर	चीज़ के

قَدْرًا (3)	وَالّٰٓئِیْ	يَئِسْنَ	مِنَ الْمَحِيْضِ	مِنْ نِّسَآئِكُمْ	اِنِ
एक अन्दाज़ा	और वो औरतें	जो मायूस हो चुकी हों	हैज़ से	तुम्हारी औरतों में से	अगर

ارْتَبْتُمْ	فَعِدَّتُهُنَّ	ثَلٰثَةُ	اَشْهُرٍ ۙ	وَّالّٰٓئِیْ	لَمْ	يَحِضْنَ ؕ
शक हो तुम्हें	तो इद्दत उनकी	तीन	माह है	और उन औरतों (की भी) जो	नहीं	वो हायज़ा हुई

وَاُولَاتُ الْاَحْمَالِ	اَجَلُهُنَّ	اَنْ	يَّضَعْنَ	حَمْلَهُنَّ ؕ	وَمَنْ
और हमल वालियां	इद्दत उनकी (ये है)	कि	वो वज़अ कर दें	हमल अपना	और जो कोई

يَّتَّقِ	اللّٰهَ	يَجْعَلْ	لَّهٗ	مِنْ اَمْرِهٖ	يُسْرًا (4)	ذٰلِكَ	اَمْرُ
डरेगा	अल्लाह से	वो कर देगा	उसके लिए	उसके काम में	आसानी	ये	हुक्म है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَنْهُ	يُكَفِّرْ	اللّٰهَ	يَّتَّقِ	وَمَنْ	اِلَيْكُمْ ؕ	اَنْزَلَهٗۤ	اللّٰهِ
उससे	वो दूर कर देगा	अल्लाह से	डरेगा	और जो कोई	तरफ़ तुम्हारे	उसने नाज़िल किया है उसे	अल्लाह का

سَكَنْتُمْ	مِنْ حَيْثُ	اَسْكِنُوْهُنَّ	اَجْرًا ⑤	لَهٗۤ	وَيُعْظِمْ	سَيِّاٰتِهٖ
रहते हो तुम	जहां	रिहाइश दो उन औरतों को	अज्र	उसके लिए	और वो बड़ा कर देगा	बुराईयां उसकी

كُنَّ	وَاِنْ	عَلَيْهِنَّ ؕ	لِتُضَيِّقُوْا	تُضَآرُّوْهُنَّ	وَلَا	مِّنْ وُّجْدِكُمْ
हों वो	और अगर	उन पर	ताकि तुम तंगी करो	तुम ज़रर पहुंचाओ उन्हें	और ना	अपनी वुसअत के मुताबिक़

فَاِنْ	حَمْلَهُنَّ ۚ	يَضَعْنَ	حَتّٰى	عَلَيْهِنَّ	فَاَنْفِقُوْا	اُولَاتِ حَمْلٍ
फिर अगर	हमल अपना	वो वज़अ कर दें	यहां तक कि	उन पर	तो ख़र्च करो	हमल वालियां

بِمَعْرُوْفٍ ۚ	بَيْنَكُمْ	وَاْتَمِرُوْا	اُجُوْرَهُنَّ ۚ	فَاٰتُوْهُنَّ	لَكُمْ	اَرْضَعْنَ
भले तरीक़े से	आपस में	और मशवरा करो	उजरतें उनकी	तो दे दो उन्हें	तुम्हारे लिए	वो दूध पिलाऐं

ذُوْ سَعَةٍ	لِيُنْفِقْ	اُخْرٰى ⑥ ؕ	لَهٗۤ	فَسَتُرْضِعُ	تَعَاسَرْتُمْ	وَاِنْ
वुसअत वाला	चाहिए कि ख़र्च करे	कोई दूसरी	उसे	तो दूध पिला देगी	तुमने बाहम दुशवारी पैदा की	और अगर

مِمَّاۤ	فَلْيُنْفِقْ	رِزْقُهٗ	عَلَيْهِ	قُدِرَ	وَمَنْ	مِّنْ سَعَتِهٖ ؕ
उसमें से जो	पस चाहिए कि वो ख़र्च करे	रिज़्क़ उसका	उस पर	तंग किया गया	और जो कोई	अपनी वुसअत में से

اٰتٰىهَا ؕ	مَاۤ	اِلَّا	نَفْسًا	اللّٰهُ	لَا يُكَلِّفُ	اللّٰهُ ؕ	اٰتٰىهُ
उसने दिया उसे	जितना	मगर	किसी नफ़्स को	अल्लाह	नहीं तकलीफ़ देता	अल्लाह ने	दिया है उसे

ع 1 7 17

مِّنْ قَرْيَةٍ	وَكَاَيِّنْ	يُّسْرًا ⑦ ع	عُسْرٍ	بَعْدَ	اللّٰهُ	سَيَجْعَلُ
बस्तियां हैं	और कितनी ही	आसानी	तंगी के	बाद	अल्लाह	अनक़रीब कर देगा

حِسَابًا	فَحَاسَبْنٰهَا	وَرُسُلِهٖ	رَبِّهَا	عَنْ اَمْرِ	عَتَتْ
हिसाब	तो हिसाब लिया हमने उनसे	और उसके रसूलों से	अपने रब के	हुक्म से	उन्होंने सरकशी की

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

شَدِيْدًا ۙ	وَّعَذَّبْنٰهَا	عَذَابًا	نُّكْرًا ⑧	فَذَاقَتْ	وَبَالَ	اَمْرِهَا
शदीद / सख़्त	और अज़ाब दिया हमने उन्हें	अज़ाब	अंजाना/हौलनाक	तो उन्होंने चखा	वबाल	अपने काम का

وَكَانَ	عَاقِبَةُ	اَمْرِهَا	خُسْرًا ⑨	اَعَدَّ	اللّٰهُ	لَهُمْ	عَذَابًا
और था	अंजाम	उनके काम का	ख़सारा	तैयार कर रखा है	अल्लाह ने	उनके लिए	अज़ाब

ركوع 14

شَدِيْدًا ۙ	فَاتَّقُوا	اللّٰهَ	يٰٓاُولِي الْاَلْبَابِ ښ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا ڜ	قَدْ
शदीद	पस डरो	अल्लाह से	ऐ अक़्ल वालो	वो जो	ईमान लाए हो	तहक़ीक़

اَنْزَلَ	اللّٰهُ	اِلَيْكُمْ	ذِكْرًا ⑩ ۙ	رَّسُوْلًا	يَّتْلُوْا	عَلَيْكُمْ	اٰيٰتِ
नाज़िल किया	अल्लाह ने	तरफ़ तुम्हारे	ज़िक्र	एक रसूल	जो तिलावत करता है	तुम पर	आयात

اللّٰهِ	مُبَيِّنٰتٍ	لِّيُخْرِجَ	الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	وَعَمِلُوا	الصّٰلِحٰتِ
अल्लाह की	वाज़ेह	ताकि वो निकाले	उन लोगों को जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक

مِنَ الظُّلُمٰتِ	اِلَى النُّوْرِ ۭ	وَمَنْ	يُّؤْمِنْۢ	بِاللّٰهِ	وَيَعْمَلْ	صَالِحًا
अंधेरों से	तरफ़ नूर के	और जो कोई	ईमान लाए	अल्लाह पर	और वो अमल करे	नेक

يُّدْخِلْهُ	جَنّٰتٍ	تَجْرِيْ	مِنْ تَحْتِهَا	الْاَنْهٰرُ	خٰلِدِيْنَ	فِيْهَآ
वो दाख़िल करेगा उसे	बाग़ात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	हमेशा रहने वाले हैं	उनमें

اَبَدًا ۭ	قَدْ	اَحْسَنَ	اللّٰهُ	لَهٗ	رِزْقًا ⑪	اَللّٰهُ	الَّذِيْ	خَلَقَ
हमेशा-हमेशा	तहक़ीक़	अच्छा दिया	अल्लाह ने	उसे	रिज़्क़	अल्लाह	वो है जिसने	पैदा किया

سَبْعَ	سَمٰوٰتٍ	وَّمِنَ الْاَرْضِ	مِثْلَهُنَّ ۭ	يَتَنَزَّلُ	الْاَمْرُ
सात	आसमानों को	और ज़मीन में से	मानिंद उन्हीं के	उतरता है	हुक्म

بَيْنَهُنَّ	لِتَعْلَمُوْٓا	اَنَّ	اللّٰهَ	عَلٰي	كُلِّ	شَيْءٍ	قَدِيْرٌ ۙ
दर्मियान उनके	ताकि तुम जान लो	बेशक	अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

ع 2 5 18

عِلْمًا ⑫	شَيْءٍ	بِكُلِّ	اَحَاطَ	قَدْ	اللّٰهَ	وَّاَنَّ
इल्म के ऐतबार से	चीज़ को	हर	उसने घेर रखा है	तहक़ीक़	अल्लाह	और बेशक

رُكُوْعَاتُهَا : 2 — 107 سُوْرَةُ التَّحْرِيْمِ مَدَنِيَّةٌ 66 — اٰيَاتُهَا : 12

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

لَكَ ج	اللّٰهُ	اَحَلَّ	مَآ	تُحَرِّمُ	لِمَ	النَّبِيُّ	يٰاَيُّهَا
आपके लिए	अल्लाह ने	हलाल किया	उसको जो	आप हराम करते हैं	क्यों	नबी	ऐ

قَدْ	رَّحِيْمٌ ①	غَفُوْرٌ	وَاللّٰهُ	اَزْوَاجِكَ ط	مَرْضَاتَ	تَبْتَغِيْ
तहक़ीक़	निहायत रहम करने वाला है	बहुत बख़्शने वाला है	और अल्लाह	अपनी बीवियों की	रज़ामंदी	आप चाहते हैं

مَوْلٰىكُمْ ج	وَاللّٰهُ	اَيْمَانِكُمْ ج	تَحِلَّةَ	لَكُمْ	اللّٰهُ	فَرَضَ
मौला है तुम्हारा	और अल्लाह	तुम्हारी क़समों का	खोलना (कफ़्फ़ारा)	तुम्हारे लिए	अल्लाह ने	मुक़र्रर कर दिया है

اِلٰى بَعْضِ	النَّبِيُّ	اَسَرَّ	وَاِذْ	الْحَكِيْمُ ②	الْعَلِيْمُ	وَهُوَ
तरफ़ बाज़	नबी ने	छुपा कर की	और जब	ख़ूब हिक्मत वाला	ख़ूब इल्म वाला	और वो ही है

عَلَيْهِ	اللّٰهُ	وَاَظْهَرَهُ	بِهٖ	نَبَّاَتْ	فَلَمَّا	حَدِيْثًا ج	اَزْوَاجِهٖ
उस पर	अल्लाह ने	और ज़ाहिर कर दिया उसे	उसकी	उसने ख़बर दे दी	तो जब	एक बात	अपनी बीवियों के

بِهٖ	نَبَّاَهَا	فَلَمَّا	عَنْۢ بَعْضٍ ج	وَاَعْرَضَ	بَعْضَهٗ	عَرَّفَ
उस (बात) की	उसने ख़बर दी उसे	तो जब	बाज़ से	और उसने ऐराज़ किया	बाज़ हिस्सा उसका	उसने बता दिया

اِنْ	الْخَبِيْرُ ③	الْعَلِيْمُ	نَبَّاَنِيَ	قَالَ	هٰذَا ط	اَنْۢبَاَكَ	مَنْ	قَالَتْ
अगर	बहुत बाख़बर ने	ख़ूब इल्म वाले ने	ख़बर दी मुझे	कहा	इसकी	ख़बर दी आपको	किसने	वो कहने लगी

تَظٰهَرَا	وَاِنْ	قُلُوْبُكُمَا ج	صَغَتْ	فَقَدْ	اِلَى اللّٰهِ	تَتُوْبَآ
तुम एक दूसरे की मदद करोगी	और अगर	दिल तुम दोनों के	झुक पड़े हैं	पस तहक़ीक़	तरफ़ अल्लाह के	तुम दोनों तौबा करो

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

عَلَيْهِ	فَاِنَّ	اللّٰهَ	هُوَ	مَوْلٰىهُ	وَجِبْرِيْلُ	وَصَالِحُ
उसके ख़िलाफ़	पस बेशक	अल्लाह	वो	मौला है उसका	और जिब्राईल	और नेक

الْمُؤْمِنِيْنَ ج	وَالْمَلٰٓئِكَةُ	بَعْدَ	ذٰلِكَ	ظَهِيْرٌ (4)	عَسٰى	رَبُّهٗٓ
मोमिनीन	और फ़रिश्ते	बाद	उसके	मददगार हैं	उम्मीद है	रब उसका

اِنْ	طَلَّقَكُنَّ	اَنْ	يُّبْدِلَهٗٓ	اَزْوَاجًا	خَيْرًا	مِّنْكُنَّ	مُسْلِمٰتٍ
अगर	वो तलाक़ दे दे तुम्हें	कि	वो बदल कर दे दे उसे	बीवियां	बेहतर	तुम से	मुसलमान

مُّؤْمِنٰتٍ	قٰنِتٰتٍ	تٰٓئِبٰتٍ	عٰبِدٰتٍ	سٰٓئِحٰتٍ	ثَيِّبٰتٍ
मोमिन	इताअतगुज़ार	तौबा गुज़ार	इबादत गुज़ार	रोज़ादार	शौहर दीदा

وَّاَبْكَارًا (5)	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	قُوْٓا	اَنْفُسَكُمْ	وَاَهْلِيْكُمْ	نَارًا
और कुंवारियां	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	बचाओ	अपने आपको	और अपने घर वालों को	ऐसी आग से

وَّقُوْدُهَا	النَّاسُ	وَالْحِجَارَةُ	عَلَيْهَا	مَلٰٓئِكَةٌ	غِلَاظٌ	شِدَادٌ
ईंधन होगा उसका	लोग	और पत्थर	उस पर	फ़रिश्ते हैं	सख़्त	ज़बरदस्त

لَّا يَعْصُوْنَ	اللّٰهَ	مَآ	اَمَرَهُمْ	وَيَفْعَلُوْنَ	مَا	يُؤْمَرُوْنَ (6)
नहीं वो नाफ़रमानी करते	अल्लाह की	उसमें जिसका	उसने हुक्म दिया उन्हें	और वो करते है	जिसका	वो हुक्म दिए जाते है

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	كَفَرُوْا	لَا تَعْتَذِرُوا	الْيَوْمَ ط	اِنَّمَا	تُجْزَوْنَ	مَا
ऐ लोगो जिन्होंने	कुफ़्र किया	ना तुम मअज़रत करो	आज के दिन	बेशक	तुम बदला दिए जा रहे हो	उसका जो

ع 1 7 19

كُنْتُمْ	تَعْمَلُوْنَ (7) ع	يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ	اٰمَنُوْا	تُوْبُوْٓا	اِلَى اللّٰهِ	تَوْبَةً
थे तुम	तुम अमल करते	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	तौबा करो	तरफ़ अल्लाह के	तौबा

نَّصُوْحًا ط	عَسٰى	رَبُّكُمْ	اَنْ	يُّكَفِّرَ	عَنْكُمْ	سَيِّاٰتِكُمْ	وَيُدْخِلَكُمْ
ख़ालिस	उम्मीद है	रब तुम्हारा	कि	वो दूर कर देगा	तुम से	बुराईयां तुम्हारी	और वो दाख़िल कर देगा तुम्हें

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

جنّٰتٍ	تجری	من تحتھا	الانھٰر لا	یوم	لا یخزی	اللہ
बाग़ात में	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	जिस दिन	ना रुस्वा करेगा	अल्लाह

النّبیّ	والّذین	اٰمنوا	معہٗ ج	نورھم	یسعٰی	بین ایدیھم
नबी को	और उन्हें जो	ईमान लाए	साथ उसके	नूर उनका	दौड़ता होगा	उनके आगे

وبایمانھم	یقولون	ربّنآ	اتمم	لنا	نورنا	واغفر
और उनके दाएं	वो कहेंगे	ऐ हमारे रब	तमाम कर दे	हमारे लिए	नूर हमारा	और बख़्श दे

لنا ج	انّک	علٰی	کلّ	شیءٍ	قدیرٌ ⑧	یٰایّھا	النّبیّ	جاھد
हमें	बेशक तू	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब क़ुदरत रखने वाला है	ऐ	नबी	जिहाद कीजिए

الکفّار	والمنٰفقین	واغلظ	علیھم ط	ومأوٰھم	جھنّم ط	وبئس
काफ़िरों से	और मुनाफ़िक़ों से	और सख़्ती कीजिए	उन पर	और ठिकाना उनका	जहन्नम है	और कितनी बुरी है

المصیر ⑨	ضرب	اللہ	مثلًا	لّلّذین	کفروا	امرات نوحٍ
लौटने की जगह	बयान की	अल्लाह ने	एक मिसाल	उनके लिए जिन्होंने	कुफ़्र किया	नूह की बीवी की

وّامرات لوطٍ ط	کانتا	تحت	عبدین	من عبادنا	صالحین
और लूत की बीवी की	वो दोनों थीं	नीचे	दो बंदों के	हमारे बंदों में से	जो दोनों नेक थे

فخانتٰھما	فلم	یغنیا	عنھما	من اللہ	شیئًا	وّقیل
तो उन दोनों ने ख़यानत की उनसे	तो ना	वो दोनों काम आ सके	उन दोनों के	अल्लाह से	कुछ भी	और कह दिया गया

ادخلا	النّار	مع الدّٰخلین ⑩	وضرب	اللہ	مثلًا	لّلّذین
दोनों दाख़िल हो जाओ	आग में	साथ दाख़िल होने वालों के	और बयान की	अल्लाह ने	एक मिसाल	उनके लिए जो

اٰمنوا	امرات فرعون م	اذ	قالت	ربّ	ابن	لی	عندک
ईमान लाए	फ़िरऔन की बीवी की	जब	उसने कहा	ऐ मेरे रब	बना	मेरे लिए	अपने पास

وقف لازم

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

بَيْتًا	فِي الْجَنَّةِ	وَنَجِّنِيْ	مِنْ فِرْعَوْنَ	وَعَمَلِهٖ	وَنَجِّنِيْ
एक घर	जन्नत में	और निजात दे मुझे	फ़िरऔन से	और उसके अमल से	और निजात दे मुझे

مِنَ الْقَوْمِ	الظّٰلِمِيْنَ ⑪ ۙ	وَمَرْيَمَ	ابْنَتَ	عِمْرٰنَ	الَّتِيْٓ
उन लोगों से	जो ज़ालिम हैं	और मरियम	बेटी	इमरान की	वो जिसने

اَحْصَنَتْ	فَرْجَهَا	فَنَفَخْنَا	فِيْهِ	مِنْ رُّوْحِنَا	وَصَدَّقَتْ
महफ़ूज़ रखा	अपनी शर्मगाह को	तो फूंक दिया हमने	उसमें	अपनी रूह से	और उसने तस्दीक़ की

ع 2 5 20	بِكَلِمٰتِ	رَبِّهَا	وَكُتُبِهٖ	وَكَانَتْ	مِنَ الْقٰنِتِيْنَ ⑫ ع
	कलिमात की	अपने रब के	और उसकी किताबों की	और थी वो	फ़रमांबरदारों में से

© AL-HUDA INTERNATIONL WELFARE FOUNDATION